Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020 से 2022
अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक - 252 शनिवार,16 जुलाई 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

मांगने पर भिक्षुक
को देना श्रेष्ठ है किंतु बिना मांगे
स्वयं भिक्षुक की खोज करके देना
श्रेयस्कर है।

-विनोबा भावे-

संक्षिप्त समाचार

खुद की इंटरनेट सेवा वाला देश का एकमात्र राज्य बना केरल

नई दिल्ली, 15 जुलाई 2022। मुख्यमंत्री पी विजयन ने कहा कि केरल देश का ऐसा पहला और इकलौता राज्य है, जिसके पास अपनी इंटरनेट सेवा है। केरल फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क लिमिटिड को दूरसंचार विभाग से इंटरनेट सेवा प्रदाता लाइसेंस मिल गया है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी की। केरल फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क लिमिटिड राज्य में हर शख्स की इंटरनेट तक पहुंच सुनिश्चित करने की सरकार की महत्वाकांक्षी आईटी अवसंरचना योजना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लाइसेंस मिलने के बाद समाज में डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए परिकल्पित परियोजना अपना कामकाज शुरू कर सकती है। विजयन ने ट्विटर पर कहा कि केरल अपनी इंटरनेट सेवा वाला देश का एकमात्र राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि अब हमारी प्रतिष्ठित परियोजना इंटरनेट को एक बुनियादी अधिकार के रूप में देने के अपने संचालन को शुरू कर सकती है। केएफओएन योजना की परिकल्पना बीपीएल परिवारों और 30,000 सरकारी कार्यालयों को मुफ्त इंटरनेट देने के लिए की गई है।

अवैध संबंध के शक में पत्नी की हत्या, कटा हुआ सिर लेकर सरेंडर करने निकला; गिरफ्तार

नई दिल्ली, 15 जुलाई 2022। ओडिशा के ढेंकनाल जिले में दिल को दहला देने वाली घटना सामने आई है। जिले के चंद्रशेखरपुर में 55 साल के एक शख्स ने कथित तौर पर अपनी पत्नी के अवैध संबंध होने के शक में सिर को धड़ से अलग कर हत्या कर दी। यहीं नहीं, आरोपी शख्स हाथ में पत्नी का कटा हुआ सिर लेकर पुलिस थाने में सरेंडर करने भी जा रहा था। इस दौरान रास्ते में जिसने भी उसको देखा सभी की आंखें खुली रह गईं।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी की पहचान नाकाफोडी मांझी उर्फ जांडा के रूप में हुई है। जबकि उसकी पत्नी का नाम चंचला बताया जा रहा है। शख्स को अपनी पत्नी पर शक था और उसी को लेकर वो बार-बार झगड़ा भी करता था। गुरुवार को तीखी नोंकझोंक के बाद उसने गुस्से में आकर धारदार हथियार से चंचला का सिर काट दिया।

कोर्ट में बोलीं रूबिया सईद,यासीन मलिक ने किया था मेरा अपहरण

नई दिल्ली, 15 जुलाई 2022। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रूबिया सईद ने जेकेएलएफ चीफ यासीन मलिक की पहचान अपहरणकर्ता के तौर पर की है. 1989 में हुए अपहरण कांड की सुनवाई के मामले में पहली बार रूबिया सईद कोर्ट के सामने पेश हुई थीं. अदालत में रुबिया ने बताया कि 1989 में यासीन मलिक और तीन लोगों के साथ मिलकर उनका अपहरण किया था.

बता दें कि इस अपहण की खबर से पूरे देश में हड़कंप में मच गया था. रूबिया को छुड़ाने के लिए उस समय 5 दुर्दांत आतंकवादियों को बदले में रिहा करना पड़ा था. 1990 से इस मामले की जांच कर रही सीबीआई ने इस मामले में रूबिया को गवाह बनाया था. आतंकवादियों को फंडिंग के अपराध में यासीन मलिक इस समय उम्रकैद की सजा काट रहा है.

क्या था मामला

जम्मू-कश्मीर में 90 के दशक में आतंकवाद अपने चरम पर था. उसी समय तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद रूबिया सईद की बेटी का अपहरण हो गया. मुफ्ती मोहम्मद सईद जम्मू-कश्मीर के बड़े नेता थे और वो बाद में मुख्यमंत्री भी बने. लेकिन 1989 में केंद्रीय गृहमंत्री की बेटी के अपहरण की खबर ने पूरे देश के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया था. केंद्रीय गृहमंत्री की बेटी को छुड़ाने के लिए सरकार ने पूरी ताकत झोंक दी. बाद में रूबिया को छुड़ाने के लिए सरकार को 5 आंतकवादियों को छोड़ना पड़ा. इस पूरे कांड में जेकेएलएफ का सरगना यासीन मालिक मास्टरमाइंड था जो घाटी में अलगाववाद फैला रहा था.

यासीन मलिक इस समय आतंकवादियों को फंडिंग के अपराध में उम्रकैद की सजा काट रहा है. हालांकि उसके ऊपर और बड़ी घटना को अंजाम देने के आरोप में मुकदमा चल रहा है. जनवरी 1990 को श्रीनगर के रावलपोरा में हुए आतंकी हमले से संबंधित है. वायु सेना के कर्मचारियों पर आतंकवादियों द्वारा गोलीबारी की गई, जिसमें एक महिला सहित 40 को गंभीर चोटें आईं थीं और वायुसेना के चार जवान शहीद हो गए थे.।

मानसून सत्र के दौरान अब धरना नहीं दे पाएंगे सांसद

नई दिल्ली, 15 जुलाई 2022। मानसून सत्र की शुरुआत सोमवार से होने जा रही है। इसके लिए केंद्र सरकार ने तैयारियां पूरी कर ली है। कोरोना संकट के बीच शुरू होने जा रही मानसून सत्र के लिए प्रमुख विपक्षी दलों ने भी केंद्र सरकार को घेरने के लिए मुद्दों की बड़ी सूची तैयार कर ली हैं । इसके पहले महासचिव पीसी मोदी ने आज एक आदेश जारी किया है, जिसके मुताबिक संसद में किसी भी धरने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

आपको बता दें कि संसद के इस सत्र के काफी हंगामेदार रहने के आसार हैं। विपक्ष के पास महंगाई, बेरोजगारी, अग्निपथ योजना जैसे ऐसे कई मुद्दे हैं, जिसपर सरकार के साथ तकरार देखने को मिल सकती है। राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी के एक नए आदेश के अनुसार, संसद सदस्य किसी भी धरने या हड़ताल के लिए इसके परिसर का उपयोग नहीं कर सकते हैं।

पीसी मोदी के आदेश में कहा गया है, ÷सदस्य किसी भी प्रदर्शन, धरना, हड़ताल, उपवास या किसी धार्मिक समारोह को करने के उद्देश्य से संसद भवन के परिसर का उपयोग नहीं कर सकते हैं।उन्होंने सदस्यों से सहयोग की अपील की है।

वहीं, कांग्रेस ने इस फैसले का विरोध किया है। पार्टी के मीडिया सेल के प्रभारी जयराम रमेश ने ट्वीट कर इस फैसले पर तंज कसा है। उन्होंने आदेश की चिट्ठी ट्वीट करते हुए लिखा, 'विश्वगुरु की नवीनतम सलाह- धरना मना है!

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के 91 वें एपीसोड के लिए लोगों से मांगे सुझाव,प्रसारण का हिस्सा बन सकता है आपका आइडिया

91 वें एपीसोड के लिए मांगे सुझाव

'माई जीओवी' ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आपके महत्वपूर्ण विषयों और मुद्दों पर अपने विचार साझा करने के लिए उत्सुक हैं. पीएम आपको 'मन की बात' के 91वें एपिसोड में उन विषयों पर अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित करते हैं, जिन्हें उन्हें संबोधित करना चाहिए.

नई दिल्ली, 15 जुलाई 2022। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के आगामी एपिसोड के लिए लोगों से अपने विचार और सुझाव साझा करने की अपील की है. लोग 'माई जीओवी' या 'नमो एप' पर अपने विचारों को साझा कर सकते हैं. इसके अलावा, 1800-11-7800 नंबर पर भी सुझाव दे सकते हैं.

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, ÷31 तारीख को होने वाले 'मन की बात' प्रसारण के लिए क्या आपके पास इस महीने के लिए इनपुट है? मैं उन्हें सुनने के लिए उत्सुक हूं.. उन्हें 'माई जीओवी' या 'नमो एप' पर साझा करें। 1800-11-7800 पर डायल कर अपने मैसेज को रिकॉर्ड करें.

प्रसारण का हिस्सा बन सकते हैं चुनिंदा मैसेज

÷आने वाले मन की बात एपिसोड में आप जिन विषयों या मुद्दों पर प्रधानमंत्री से बात करना चाहते हैं, उन पर हमें अपने सुझाव भेजें. इस ओपन फोरम में अपने विचार साझा करें या वैकल्पिक रूप से आप टोल-फ्री नंबर 1800-11-7800 पर भी डायल कर सकते हैं और प्रधानमंत्री के लिए अपना मैसेज हिंदी या अंग्रेजी में रिकॉर्ड करें।

आतंकियों के निशाने पर कांवड़ यात्रा,देश भर में अलर्ट जारी

नई दिल्ली, 15 जुलाई 2022। सावन माह की शुरुआत के साथ ही भगवान शिव के प्रति आस्थावान श्रद्धालुओं की ओर से देश भर में कांवड़ यात्रा भी शुरू हो गई है। कोविड 19 के बढ़ते संक्रमण के कारण बीते दो साल के लिए एहतियात के तौर पर केंद्र सरकार की ओर कांवड़ यात्रा पर रोक लगाई गई थी। सभी वर्गों को कोरोना से बचाव के लिए टीके लगने के बाद कावड़ यात्रा के लिए कोरोना नियनों में ढील दी गई है। जिसके कारण देश भर में श्रद्धालुओं की ओर से बड़ी संख्या में कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है।

वहीं इस बार कांवड़ यात्रा पर रेडिकल एलिमेंट्स का खतरा मंडरा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसको लेकर सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी कर अलर्ट रहने को कहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की जारी एडवाइजरी में संकेत दिए गए हैं कि विध्वंसकारी ताकतें कांवड़ यात्रा में व्यवधान डालने के लिए कई तरह की साजिशें रच सकती हैं। गृह मंत्रालय की इस एडवाइजरी के बाद सभी राज्यों के खुफिया तंत्र ने पुलिस को भी सतर्क कर दिया है।

रेलवे स्टेशनों पर भी अलर्ट

एडवाइजरी में इस बार रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा भी पुख्ता करने को कहा गया है। एडवाइजरी में विशेष तौर पर कहा गया है कि ट्रेनों पर भी इस बार असामाजिक तत्वों की नजर पड़ सकती है। ट्रेनों की सुरक्षा वक्त रहते एहतियातन और भी ज्यादा मजबूत करने को कहा गया है। इस अलर्ट से सभी राज्यों के रेलवे सुरक्षाबल भी अलर्ट हो गए हैं। देश के किसी भी राज्य की सीमा में ट्रेनों की सुरक्षा का पहला और सीधा जिम्मा रेलवे पुलिस बल का ही होता है।

3 हजार रुपए के लिए मां का मर्डर

पहले गला घोंटा फिर फांसी में लटका दिया शव

रायगढ़, 15 जुलाई 2022। बीते दिनों एक 55 वर्षीय महिला का शव फांसी पर लटका मिला था जिसके बाद महिला की मौत की जांच में जिले की पुलिस जुटी हुई थी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक मीना के दिशा निर्देशन तथा एडिशनल एसपी लखन पटेल एवं एसडीओपी धरमजयगढ़ दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक प्रवीण कुमार मिंज ग्राम कांटाझरिया में 55 वर्षीय महिला के फांसी लगाकर आत्महत्या मामले की बारीकी से जांच की। जांच में जो बातें सामने आयीं उसे जान कर पुलिस भी हैरान रह गई। जांच में पुलिस ने बताया कि मृतिका के बेटे ने मात्र 3,000 रूपये प्राप्त करने के लिये अपनी मां का गला घोंट कर हत्या कर उसकी हत्या कर दी और उसे आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फांसी पर लटका दिया। पुलिस ने आरोपी बेटे रामलाल धनवार (35 साल) को साक्ष्य छिपाने एवं झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने के अपराध में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

जानकारी केके मुताबिक़ 9 जुलाई को 55 वर्षीय मृतिका सुकांति धनवार के बेटे रामलाल धनवार ने गांव वालों को बताया कि उसकी मां ने दोपहर के समय घर के म्यार में प्लास्टिक रस्सी से फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली है । थाना घरघोड़ा में भी रामलाल धनवार ने यही बताया और मामला दर्ज कराया। पुलिस ने इस मामले में धारा 174 CrPC के तहत शिकायत दर्ज की और शव की जांच के लिए घटनास्थल पर पहुंचे।

शव को देखकर पुलिस की टीम को संदेह हुआ। गवाहों से पूछताछ के दौरान उन्हें जानकारी मिली की मृतिका से उसका पुत्र रामलाल धनवार 3000 रुपए की मांग कर रहा था और झगड़ा कर रहा था । इसके बाद शव के पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने सारी पोल खोल दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में नाक, मुंह दबाने से हृदय गति रूकने, और सांस रूकने की वजह से हत्या होना पाया गया। पुलिस ने जब आरोपी बेटे से सख्ती से पूछताछ की तब आरोपी ने सारी सच्चाई बता दी। उसने पुलिस को बताया कि आरोपी ने अपनी मां से 3000 रुपए की मांग कर रहा था। पैसे नहीं देने पर आरोपी ने गमछा से गला, मुंह दबाकर अपनी मां की हत्या कर दी और घटना को छिपाने के लिए प्लास्टिक रस्सी से शव को म्यार पर टांग दिया था।

अज्ञात बदमाशों ने दो पत्रकारों को मारी गोली,इलाके में फैली सनसनी, मौके से हमलावर फरार

लखनऊ, 15 जुलाई 2022। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में दो अज्ञात हमलावरों ने दो पत्रकारों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी है। इस हमले से इलाके में दहशत का माहौल है। दोनों पत्रकारों को बीएचयू मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पीड़ितों की पहचान श्याम सुंदर पांडे और लड्डू पांडे के रूप में की गई है, दोनों की उम्र लगभग 30 साल है। वही सोनभद्र जिले के एएसपी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि, दो पत्रकार श्याम सुंदर पांडे और लड्डू पांडे कलियारी बाजार स्थित एक रेस्तरां में चाय पीने गए थे। एएसपी ने कहा, ÷इस बीच, दो अज्ञात बदमाश बाइक पर आए और दोनों पत्रकारों पर दो से तीन राउंड फायरिंग कर मौके से फरार हो गए। घटना से दहशत फैल गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

एएसपी सिंह ने कहा कि दोनों को पहले वैनी क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें जिला अस्पताल और आगे बीएचयू मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। सिंह ने कहा, हम मामले की जांच कर रहे हैं, जल्द ही हम पीड़ित पत्रकारों का बयान भी दर्ज करेंगे। फिलहाल पुलिस जांच में जुट गई।

राजधानी फिर हुई शर्मसार

चलती कार में नाबालिग के साथ गैंगरेप,तीन युवकों ने शर्मनाक हरकत को दिया अंजाम,वीडियो भी बनाया

नई दिल्ली , 15 जुलाई 2022। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से एक बार फिर शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है. दिल्ली की सड़कों पर एक दफा फिर नाबालिग के साथ चलती कार में सामूहिक दुष्कर्म किया गया है.

वहशी दरिंदो का शिकार हुई पीड़िता का आरोप है कि तीन युवकों ने उसे वसंत विहार से अगवा कर दिल्ली में घूमते रहे और फिर ग़ाज़ियाबाद ले गए, जहां कार में मौजूद दो युवकों ने उसके साथ बारी-बारी से रेप किया इतना ही नहीं आरोपियों ने इस दौरान वीडियो भी शूट किया, जबकि एक युवक ने छेड़खानी की.

जानकारी के बाद वसंत विहार पुलिस ने पॉक्सो एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. साथ ही वारदात में यूज की गई कार को भी जब्त कर लिया है. घटना छह जुलाई की बताई जा रही है.

पीड़िता ने अपने बयान में पुलिस को बताया कि 6 जुलाई को वो अपनी फ्रेंड के घर मोतीबाग गई थी जहां से वह रात में तो लौटी तो वसंत विहार मार्किट के पास से दो युवक उसे घूमाने के बहाने अपने साथ ले गए और इसके बाद तीसरा लड़का अपनी वैगनआर कार लेकर आया जिसमें इस घटना को अंजाम दिया गया. आरोप है कि तीनों ने पीड़िता को कोल्ड ड्रिंक में शराब मिलाकर पिलाई और फिर उन्होंने बलात्कार किया।

बरसते पानी में बिजली सुधारने कहा,मना करने पर घर में घुसकर लाइनमैन की पिटाई कर दी

पुलिस ने नहीं लिखी रिपोर्ट

अशोकनगर, 15 जुलाई 2022। जिले में सरकारी अधिकारी कर्मचारियों की पिटाई के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में बदमाशों ने बरसते पानी में बिजली में फाल्ट नहीं सुधारने पर घर में घुसकर लाइनमैन की पिटाई का मामला सामने आया है। इस मामले में सबसे चौकान वाली बात यह है कि शिकायत के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है।

जानकारी के अनुसार मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के लाइनमैन के साथ घर में घुसकर ग्रामीण ने मारपीट कर दी। मामला देहात थाना क्षेत्र का है जहां कोलुआ रोड निवासी विद्युत कर्मचारी अपने घर पर था, तभी रात 10 बजे के आसपास कजराई गांव के ग्रामीण लाइट कटौती को लेकर लाइनमैन राजकुमार वर्मा के घर पहुंचा। जहां लाइनमैन को लाइन सुधारने की बात कहने लगा। तेज बारिश और गरजती बिजली के दौरान लाइनमैन ने सुबह लाइन सुधारने की बात कही। जिसके बाद ग्रामीण गगन ने लाइनमैन को उसके परिवार के सामने ही गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी। जिसकी शिकायत रात को ही लाइनमैन ने देहात थाने में कर की थी। घटना के 16 घंटे बाद भी देहात पुलिस ने किसी भी तरह का प्रकरण दर्ज नहीं किया है। वहीं विद्युत कंपनी के जेई नरेंद्र ठाकरे ने बताया कि हमारे लाइनमैन की पिटाई की शिकायत देहात थाने में दर्ज कराई गई है। इसके बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। अगर एफआईआर दर्ज नहीं की जाएगी तो कर्मचारी क्षेत्र में कैसे काम करेगा। वहीं दूसरी ओर लोगों के हौसले भी बुलंद होंगे जिससे आगामी समय में क्षेत्र में जाने से कंपनी के कर्मचारियों में भय का माहौल रहेगा।

हवसी भेड़ियों की हैवानियत

लिफ्ट देने के बहाने 3 दरिंदों ने महिला का किया सामूहिक दुष्कर्म,रेप के बाद कुचला पैर, पीड़िता ने गंवाया पैर

मथुरा , 15 जुलाई 2022। 30 वर्षीय दलित महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने करने का मामला सामने आया है. जहां तीन दरिंदों ने महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया. जिसके दो महीने बाद पीड़िता ने अपना पैर गंवा दिया. महिला का बायां पैर काटने के लिए ऑपरेशन करना पड़ा. पुलिस ने तीन में से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल ले जाने के हफ्तों बाद महिला के परिवार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई.

बता दें कि, मथुरा के कोसी कलां इलाके में 3 दरिंदों ने लिफ्ट देने के बहाने हवस का शिकार बनाया है. जिसकी शिकायत परिजनों ने की है. परिजनों ने बताया कि पीड़िता 24 मई को बैंक से पैसे निकालने के लिए अपने गांव से कोसी कलां जा रही थी, तभी उसके गांव के एक आरोपी ने उसे लिफ्ट देने की पेशकश की. जिसके बाद पीड़िता गाड़ी में बैठ गई, फिर रास्ते में उसने अपने दो दोस्तों को बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया. साथ ही महिला को इस दौरान नशीला पदार्थ भी दिया गया. इसके बाद तीनों आरोपियों ने मोटरसाइकिल से उसके पैर कुचल दिए और उसे कोसी कलां में रेलवे ट्रैक के पास छोड़ दिया.

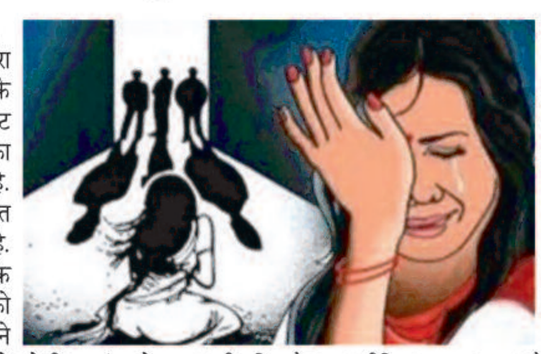

घटना के बाद रेलवे पुलिस ने उसे रेलवे ट्रैक के पास अचेत अवस्था में देखा और उसके परिवार को सूचना दी, जहां महिला को कोसी कलां के एक सरकारी अस्पताल में ले जाया गया और डॉक्टरों ने उसे मथुरा जिला अस्पताल रेफर कर दिया. उसके बाद उसे आगरा के दूसरे अस्पताल और फिर हरियाणा ले जाया गया, जहां उसके पैर को काट दिया गया था. पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था. वहीं पुलिस ने मामले के 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. एक फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

संपादकीय

भारत जोड़ो बनाम स्नेह यात्रा

देश की दोनों बड़ी पार्टियां- भाजपा और कांग्रेस दो बड़ी यात्राओं की तैयारी कर रही हैं। दोनों का यात्राओं का आइडिया एक-दूसरे से मिलता-जुलता है और दोनों का मकसद भी एक जैसा है। कांग्रेस पार्टी अक्टूबर में भारत जोड़ो यात्रा करेगी और उससे पहले भाजपा को स्नेह यात्रा निकालनी है। यात्रा की घोषणा कांग्रेस ने पहले की थी, लेकिन उससे पहले भाजपा की यात्रा होगी। ध्यान रहे स्नेह भी जोड़ने का ही मकसद लिए होता है। इसका आइडिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद में हुई पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में दिया था। इस महीने पार्टी के सभी सात मोर्चों की बैठक बिहार में होने वाली है, जिसमें इस यात्रा की तैयारियों के बारे में विचार किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने पार्टी के नेताओं से कहा कि वे लोगों के बीच जाएं, उनकी बात सुनें और अपनी बात उन्हें बताएं।

इससे पहले कांग्रेस ने उदयपुर में हुए नव संकल्प शिविर में भारत जोड़ो यात्रा का ऐलान किया था। दो अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के दिन इसकी शुरुआत होगी। इसकी तैयारी पर विचार के लिए कांग्रेस ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्षों, प्रभारियों और महासचिवों की बैठक दिल्ली में बुलाई है। हालांकि इस बैठक से ठीक पहले पार्टी के नेता राहुल गांधी विदेश यात्रा पर चले गए। वे रविवार को लौटेंगे और सोमवार को संसद के मॉनसून सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव में हिस्सा लेंगे। कांग्रेस की तैयारी बड़ी हो रही है और उसे पूरे देश में माहौल बनाने व मैसेज देने के लिए यात्रा करनी है। दूसरी ओर भाजपा की यात्रा जमीनी स्तर पर पार्टी के कार्यकर्ताओं को और आम मतदाताओं को जोड़ने के लिए होने वाली है। बेशक उसमें ज्यादा धूम-धड़ाका नहीं होगा लेकिन उसका असर कम नहीं होगा।

कितने सच है अफसरों पर जवानों की आत्महत्या के आरोप?

» आखिर क्यों दुश्मन की छाती चीरने वाले बन जाते है अपनी ही जान के दुश्मन

-प्रियंका सौरभ-
नई दिल्ली

सुरक्षाबलों के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें तनाव से निपटने के तरीके बताने चाहिए व म्यूजिक थेरेपी, योग, ध्यान, प्राणायाम जैसे उपायों को पुरजोर अपनाना चाहिए। पुलिस तथा अर्धसैनिक बलों के अधिकारियों कि यह जिम्मेवारी बने कि वे कर्मचारियों की समस्याएं सुने तथा उन्हें सुलझाने का प्रयास करें ताकि बातचीत के द्वारा जवानों की परेशानी समय पर दूर हो सके। सुरक्षाबलों में ऐसे सख्त कानून बनाए जाएं जिनसे अफसरों के द्वारा चेतावनी के तौर पर जवानों से लिए जा रहे घरेलू कामों पर रोक लगे और उनके आत्म सम्मान को ठेस न पहुंचे।

राजस्थान राज्य के राजगढ़ क्षेत्र के गाँव घणाऊ के सीआरपीएफ सब इंस्पेक्टर विकास वर्मा के बाद अब राजस्थान के जोधपुर में स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के ट्रेनिंग सेंटर में सरकारी राइफल से खुद और अपने परिवार को बंधक बनाकर सिपाही नरेश जाट ने सुसाइड किया है, यह सवाल देश भर के अर्धसैनिक बलों को लेकर फिर उठ खड़ा हुआ है. आंकड़ों से ये बात सामने आई है कि पिछले कुछ सालों में देश की सुरक्षा में लगे जवानों में आत्महत्या की दर बढ़ी है। चिंता की बात है कि देश के लिए जान कि बाज़ी लगाने को तैयार ये जवान हालात की दुश्वारियों से इस कदर परेशान हो जाते है कि अपनी ही जान ले लेते है.

उन्हें अत्यधिक काम का बोझ, घरेलू समस्याएं, मनोरंजन सुविधाओं की अनुपलब्धता, काम में गरिमा की कमी और वरिष्ठों के साथ-साथ अधीनस्थों के साथ संघर्ष आदि जैसे मुद्दों का सामना करना पड़ता है। जवानों की आत्महत्या के पीछे सरकार घरेलू समस्याओं, बीमारी और वित्तीय समस्याओं को कई कारणों में मानती है। हालांकि गृह मंत्रालय से जुड़ी संसदीय समिति इन आत्महत्याओं के पीछे मानसिक और भावनात्मक तनाव को भी वजह मानती है। वहीं पूर्व अफसरों और जानकारों का कहना है कि जवानों पर वर्कलोड ज्यादा है। कई स्थानों पर जवानों को 12 से 15 घंटे तक ड्यूटी देनी पड़ती है। कड़ी कामकाजी परिस्थितियों, अफसरों के सख्त व्यवहार, पारिवारिक मुद्दों और जरूरत होने पर छुट्टी न मिल पाना भी जवानों को मानसिक तनाव की ओर धकेलता है।

सीआरपीएफ कांस्टेबल नरेश जाट की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने डीआईजी भूपेंद्र सिंह समेत छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। करीब 18 घंटे तक अपने क्वार्टर में पत्नी और नाबालिग बेटी के साथ खुद को बंद रखने के बाद जाट ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली थी।वीडियो क्लिप की सीरिज, जो आत्महत्या के बाद सामने आई, वह तनाव और अलगाव की ओर इशारा करती है जिसका मृतक सामना कर रहा था। जाट को डीआईजी भूपेंद्र सिंह और अन्य के खिलाफ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने और पिछले चार से पांच दिनों से उन्हें ड्यूटी आवंटित नहीं करने की शिकायत करते हुए सुना जा सकता है। सिंह पर उसे ड्यूटी पर सूरतगढ़ भेजने का आरोप लगाने के बारे में सुना जाता है।

कुछ ऐसा ही सात माह पूर्व जोधपुर में सब इंस्पेक्टर विकास वर्मा के साथ हुआ. विकास की पत्नी कविता ने बताया कि जब मेरी बात मेरे पति से होती थी तो वो बताते थे कि अफसर उन्हें परेशान करते है. विकास कि मौत वाले दिन एक सीनियर अफसर ने उन्हें अपने घरेलू काम के लिए टॉर्चर किया. अफसर की बीवी ने सब इंस्पेक्टर से मंगवाए गए पपीते के घटिया होने की बात क्या कही साहब विकास पर आग बबूला हो गए. अपने आत्म सम्मान पर हुई चोट को विकास सहन नहीं कर पाया और उसने कमरे पर जाकर आत्म हत्या कर ली.

ऐसे में सवाल ये उठता है कि अफसरों और जवानों के बीच तालमेल कैसा है. जवानों को काम के तनाव और पारिवारिक परेशानी को साथ लेकर चलना होता है. तनाव जब हद से गुजर जाता है तब वे आत्महत्या जैसे कदम उठा लेते हैं. कई बार आत्मसम्मान को ठेस पहुंचने के कारण भी जवान आत्महत्या करते हैं. पुलिस विभाग में अक्सर देखा गया है कि कर्मी खुद को पावरफुल मानते हैं ऐसे में जब किसी कारण से उनके आत्मसम्मान को ठेस लगती है तो भी वह आत्महत्या जैसे कदम उठाते हैं.

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर) ने सशस्त्र बलों के बीच तनाव को कम करने के लिए निम्नलिखित कदमों की सिफारिश की है। ये हैं, 1. छुट्टी के अनुदान को युक्तिसंगत बनाना, 2. कार्यभार में कमी और तैनाती के कार्यकाल को कम करना, 3. वेतन और भत्ते में वृद्धि, 4. अधिकारियों और पुरुषों के बीच बेहतर पारस्परिक संबंध बनाना, 5. तनाव प्रबंधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम और 6 बुनियादी और मनोरंजन गतिविधियों को बढ़ाना। सरकार उन्हें तत्काल आधार पर लागू कर सकती है।

एक बटालियन में कर्मियों की तैनाती की प्रणाली की बहाली जब तक वे सब-इंस्पेक्टर का पद प्राप्त नहीं कर लेते, कर्मियों के बीच अपनेपन और बंधन की भावना पैदा करेंगे। जब कर्मचारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों से मिलते हैं तो पूरी गोपनीयता सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि वे अपनी घरेलू समस्याओं को खुलकर सामने ला सकें। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पोस्ट सूबेदार मेजर (एसएम) को सक्रिय करने की आवश्यकता है; हालांकि सीआरपीएफ के नियम असाधारण रूप से योग्य सूबेदारों/एसएम को मानद पद प्रदान करने का प्रावधान करते हैं, लेकिन इसे शायद कभी लागू नहीं किया गया है। नियमित सहायक कमांडेंट के पदों पर नहीं आने वाले ऐसे मानद रैंकों को सम्मानित करने से उनका मनोबल बढ़ेगा।

सशस्त्र बलों में भ्रातृहत्या और आत्महत्याओं को रोकने के लिए सशस्त्र बलों में शिकायत निवारण तंत्र को बदलने की आवश्यकता है। साथ ही, सशस्त्र सेवाओं को पर्याप्त कर्मियों के साथ मजबूत करना होगा ताकि उन्हें तनाव से मुक्त किया जा सके और देश की सेवा गर्व के साथ की जा सके। देश के सुरक्षा बल एक अनुशासित बल होते हैं, और उनकी समस्याओं के निराकरण जिम्मेदारी बल के कमांडिंग ऑफिसर की रहती है। हालांकि सभी बलों में जवानों की समस्याओं के समाधान के लिये सरकार ने बहुत से प्रबंध समय-समय पर कर रखे हैं और उनके आवास, मैसिंग, ड्यूटी पर होने वाली दुश्वारियों के निराकरण के लिये ठोस व्यवस्था की जाती है, फिर भी इतनी अधिक संख्या में होने वाली आत्महत्यायें, न केवल दुःखद हैं, बल्कि बेहद चिंताजनक भी हैं।

सुरक्षा बल, एक परिवार की तरह होते हैं और उसका मुखिया परिवार के प्रमुख की तरह, उसका मुख्य दायित्व भी यह है, अनुशासन के साथ साथ जवानों की समस्याएं चाहे वे निजी हों या पारिवारिक या उनके गांव घर से जुड़ी, वे समय- समय पर अच्छे से हल होती रहें और उनकी वजह से बल के जवानों में कोई अवसाद या स्ट्रेस आदि न पनपे। देखे तो सेना में सैनिक कल्याण बोर्ड जैसी संस्थाए हैं, जो सैनिकों की घरेलू और रिटायरमेंट के बाद की समस्याओं को हल करने में मदद करती हैं, पर दुर्भाग्य ये कि केंद्रीय पुलिस बल और राज्यों की पुलिस के जवानों के लिये ऐसी कोई संस्था नहीं है। लेकिन जवानों का कल्याण, किसी भी बल का एक प्रमुख उद्देश्य होता है, इससे न केवल सुरक्षा बलों के जवानों का मनोबल ऊंचा रहता है, बल्कि वे आत्महत्या जैसी परिस्थितियों की गिरफ्त में नहीं आते हैं।

सुरक्षाबलों के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें तनाव से निपटने के तरीके बताने चाहिए वह म्यूजिक थेरेपी, योग, ध्यान, प्राणायाम जैसे उपायों को पुरजोर अपनाना चाहिए। पुलिस तथा अर्धसैनिक बलों के अधिकारियों कि यह जिम्मेवारी बने कि वे कर्मचारियों की समस्याएं सुने तथा उन्हें सुलझाने का प्रयास करें ताकि बातचीत के द्वारा जवानों की परेशानी समय पर दूर हो सके। और सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि जवानों के माध्यम से उनके अफसर उनसे ड्यूटी खराब करने या ससपेंड करने की धमकी देकर घरेलू काम न करवाए. सुरक्षाबलों में ऐसे सख्त कानून बनाए जाएं जिनसे अफसरों के द्वारा चेतावनी के तौर पर जवानों से लिए जा रहे घरेलू कामों पर रोक लगे और उनके आत्म सम्मान को ठेस न पहुंचे।

सर झुकाता रहूं सदा दर पे तेरे

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी छत्तीसगढ़

पार नैया किनारे पहुंच जाये तो
मेरी मंजिल अब मिल जाये तो
मेरी कस्ती चली है सदा दर पे तेरे
सर झुकाता रहु सदा दर पे तेरे
हर डगर पर अब याद तेरा रहे
जँहा भी रहु अब साथ तेरा रहे
साथ तेरा अगर मिल जाये तो
सर झुकाता रहु सदा दर पे तेरे
गुलशन की खुशबु बिखरती रहे,
भ्रमरों की गुंजन यु ही गूंजती रहे
गुलशन मे भंवरे मचल जाये तो
सर झुकाता रहु सदा दर पे तेरे
आबाद रहे चमन सदा के लिए
महकती रहे गुल सदा के लिए
गुल मे कलिया गर खिल जाये तो
सर झुकाता रहु सदा दर पे तेरे
मैं तुझे भूल जाऊ ऐसा होने ना दे
गुल से कलियो को भी खोने ना दे
बहार से गुलशन महक जाये तो
सर झुकाता रहु सदा दर पे तेरे

क्या सचमुच

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ,छत्तीसगढ़

क्या सचमुच जमाना खराब है?
या कुछ लोगों का,कुछ समूहों का,
ये अंदाज है,आप बताइये
जमाना किस काल में
खराब नहीं रहा है,
कुछ लोगों के
घृणित मानसिकता के कारण
बहुतायतों ने जुल्मों सितम सहा है,
जुल्मी और जुल्मों के कारण
अनेक होते हैं,
पर शोषितों की सामाजिक
परिस्थिति हमेशा एक होते हैं,
लूटना छीनना,
कायदे से डंडे व थप्पड़ के वार
मजे ले लेकर गिनना,
लातों में थाली,प्रस्थितिक गाली,
बजते हुए ताली,
सब कुछ सहे कीड़े
छोड़कर गंदी नाली,
जमाना खराब होने का सिलसिला
अनवरत जारी है,
क्योंकि कुछ लोगों के साथ
आदिकाल की लाचारी है,
उन्हें नहीं मालूम
समता, समानता, बंधुत्व,
कर्तव्य, अधिकार, संविधान,
सहे जा रहे अब भी
रूढ़िवादी अपमान,
पग पग पर अंगूठा काटते
द्रोणाचार्य खड़े हैं,
जिनके कुटिलताओं से
लाखों एकलव्य
सबसे पीछे खड़े हैं,
कोई लिंचिंग का मारा है,
तो कोई मूछों की वजह से
जिंदगी का जंग हारा है,
घोड़ी चढ़कर कोई
लतियाया जाता है,
तो कोई नाम के कारण
सताया जाता है,
ऐसा कौन सा समय है
जब जमाना नहीं खराब है,
किसी के सामने से
गुजरते वक्त भी
जूते बन जाते नवाब है,
ऐसे कौन से दिन हैं
जब अस्मत से
खिलवाड़ नहीं किए जाते,
वो कौन सा दिन है जब
जिंदगी भर के
जख्म नहीं दिए जाते,
बहुत लोग आज भी
समरसता, सौहार्द देखते हैं,
ऐसे लोग आंख मूंदकर
अपनी निर्लज्ज आंखें सेंकते है।

अपने लिए जिंदा लाश हूँ मैं

नीक राजपूत
नई दिल्ली

तेरे बिन सफेद चुनरी में
दाग़ सा हूँ मैं।
अपने अंदर बिखरा हुआ
एक राज़ हूँ मैं।
अपने लिए एक
ज़िंदा लाश हूं मैं पुरानी
शराब सा अपने ही अंदर
एक जाम हूँ मैं।
हर एक आंखों के लिए
अंजान हूँ मैं
अपने लिए एक
खुली किताब हूँ मैं।
किसी के लिए मेरी ज़िंदगी खेल
किसी की उंगलियों पर
नाचने वाला खिलौना हूँ मैं।
अपने अंदर ढलता तो
कभी उभरता हूँ
मैं फीरभी पूरे बदन से हँसता हूँ मैं।
कभी मैं तुम और हम हुआ करता था
अभी अपने पास सिर्फ मैं ही बचा हूँ मैं।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

कोई संस्कृति गलत नहीं होती देखने का नजरिया गलत होता हैं'

भावना ठाकर भावु
बेंगलोर, कर्नाटक

हम कई बार पाश्चात्य संस्कृति और सभ्यता के बारे में लोगों को कहते हुए सुनते की अमरीका के लोग स्वच्छंद है, लड़कियाँ कम कपड़े पहनती है, दारु पीती है, सिगरेट पीती है, वहाँ पारिवारिक रिश्ते अच्छे नहीं होते, लिव इन रिलेशनशिप, तलाक और अबॉर्शन बगैरह बहुत सारे मुद्दों पर गलतियाँ निकालते पश्चिमी कल्चर को कोसते है।

इस पर कोई टिप्पणी करने से पहले हमारे देश में क्या हो रहा है उसके बारे में गौर करें।

यही सब हमारे देश में भी तो हो रहा है क्या दिखता नहीं किसीको? हमारे देश में भी आजकल कुछ लोगों ने संस्कार, परंपरा, संस्कृति, सभ्यता बेच खाई है उसका क्या? अमरीका को अच्छा कहलवाए ऐसी घटनाएं घट रही है। पहले अपने गिरहबान में झांक कर देखिए फिर दूसरों की संस्कृति पर ऊँगली उठाईये।

अल्प वस्त्र पहने हो या पूरा तन ढ़की स्त्री हो, बात कपड़ों की नहीं देखने वाले के नज़रिये की और सोच की है। अमरीका में कम कपड़े कोई मायने नहीं रखता। वहाँ पर सिर्फ़ आंतर वस्त्रों में भी लड़की रोड़ पर निकलेगी तो भी कोई मर्द खा जानें वाली नज़रों से नहीं घूरता। पर हमारे यहाँ साड़ी या दुपट्टे को चीर कर भी महिलाओं को ऐसी नज़रों से देखते है या कमेन्ट करते है की बिना छुए ही बलात्कार कर देते है। पाश्चात्य संस्कृति खामखाँ बदनाम है। हमारे यहाँ बस में या ट्रेन में चढ़ते,उतरते या भीड़ में दरिंदे औरतों के अंगों को छू लेते है, दबा लेते है। उनकी गंदी मानसिकता महिलाओं को कितना आहत करती है कोई उस एहसास को नहीं जानता, शर्म और गुस्से के मारे सहम जाती है।

अरे वो सब छोड़ो एक माँ कहीं सार्वजनिक जगह पर अपने बच्चे को दूध पिलाने रही होती है और ज़रा सा पल्लू हट जाता है तो उस वात्सल्य सभर नज़ारे को भी गंदी नज़रों से देखने लगेंगे।

कुछ मर्दों की नज़रों में औरतें इंसान नहीं सिर्फ़ भोगने की वस्तु है।

मर्द अगर अपनी नज़र काबू में रखें तो कपड़े मायने नहीं रखते। चार साल की बच्ची कहाँ अंग प्रदर्शन करती है? इतनी छोटी बच्चियों के प्रति कैसे किसीके मन में हवस पैदा हो सकती है? कर देते है न बलात्कार? यहां तो अपनी ही बेटी के साथ बाप रैप कर देता है। घर में ही बच्चियाँ सुरक्षित नहीं चाचा, मामा, फूफा, अंकल, पड़ोसी हर कोई अकेली लड़की का फ़ायदा उठा लेते है छोटी बच्ची को प्यार करने के बहाने अपनी आंतरिक वासना संतुष्ट करते बच्ची के गुप्तांगों को छू लेते है। हर दूसरी लड़की और महिला बेडटच का शिकार होती है।

यहाँ भी बड़े शहरों में खुद को आधुनिक समझने वाली लड़कियां दारु, सिगरेट पीती है। कुँवारी माँ बनकर गर्भपात करवाती है। तलाक यहाँ भी होते है और माँ-बाप को बच्चें वृध्धाश्रम भेज देते है। फ़िल्मों और वेब सीरिज़ों में लड़कियाँ कपड़े उतार रही है, गंदी गालियाँ बक रही है। ऐसे में विदेश के लोग भी ये सब देखकर हमारी संस्कृति की आरती नहीं उतार रहे होंगे। वो भी ये कहते होंगे कि भारत के लोग जो अपनी भारतीय संस्कृति के गुणगान गाते है वो असल में ये है।

विदेश की संस्कृति को देखने का हमारा नज़रिया सदियों से एक सा रहा है कि पाश्चात्य यानी गलत। अपने देश की भूगोल भी नापिए यहाँ कितनी गंदगी फैली है। एक अकेली लड़की रात के बारह बजे कहीं जाने से डरती है। भेड़िये गली-गली मौके की तलाश में भटक रहे है। चार महीने की बच्ची तक को नहीं छोड़ते और हम दूसरे देश की सभ्यता पर सवाल उठाते है। आज विदेशी लोग हरे राम हरे कृष्ण मिशन से जुड़ कर अध्यात्म को अपना रहे है। वहाँ की कुछ महिलाएँ साड़ी और सलवार कमीज़ पहन रही है। बिगड़े हुए सुधर रहे है और हम संस्कृति शब्द को ही निगल गए है। जो जिनका कल्चर हो उस हिसाब से जीते है। शीशे के घर में रहने वालों को दूसरों के घर पर पत्थर नहीं मारना चाहिए। किसीकी सभ्यता या संस्कृति गलत या बुरी नहीं हमारा नज़रिया गलत है, पहले इसे ठीक करें उसके बाद दूसरों पर ऊँगली उठाएँ तो बेहतर होगा।

गुरु कृपा बिना मिले न ज्ञान

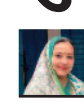

प्रीति चौधरी मनोरमा
बुलंदशहर उत्तरप्रदेश

गुरु और शिष्य का सम्बंध-

गुरु और शिष्य के विषय में बात करने से पूर्व हमें यह जान लेना अत्यंत आवश्यक है कि गुरु और शिष्य का रिश्ता आखिर कैसा होता है? यह रिश्ता सदियों पुराना है ।हमारे भारत देश में गुरु- शिष्य परंपरा रही है।प्राचीन काल में बालक गुरुकुल में रहकर शिक्षा ग्रहण करते थे। चाहे वे बालक राज परिवार से संबंधित होते थे, अथवा दरिद्र परिवार से। किंतु उन्हें अपने गुरु की सेवा- सुश्रुषा का पूर्ण ध्यान रखना होता था। गुरु और शिष्य का यह संबंध अत्यंत प्रगाढ़ होता था। हमने आरुणि और एकलव्य जैसे आदर्श शिष्यों की कहानियाँ भली-भाँति सुनी और पढ़ी हैं। हमें ऐसी कहानियों से बालकों को प्रेरणा देनी होगी, ताकि वे भी अपने गुरुओं का पूर्ण सम्मान करें।

विषयगत ज्ञान के साथ नैतिक मूल्यों का भान भी है जरूरी --

आधुनिक युग में शिक्षा व्यवस्था ऐसी है कि इसमें रटन्त पद्धति पर अधिक बल दिया जाता है। बालक को विज्ञान और प्रौद्योगिकी का ज्ञान तो दिया जा रहा है, किंतु उसके अंदर नैतिक और मानवीय मूल्यों के विकास करने के विषय में तनिक भी विचार नहीं किया जा रहा । निजी विद्यालयों में प्रायः हम देखते हैं कि बच्चे अच्छा पढ़ रहे हैं, प्रत्येक कक्षा में अव्वल आ रहे हैं, मेधावी छात्रों की सूची में स्थान पा रहे हैं, किंतु उनके अंदर दया, ममता, करुणा एवं सहानुभूति आदि गुणों का ह्रास पाया जाता है।

सर्वप्रथम हमें अपने बालक को मानवीय गुणों से ओत-प्रोत करना होगा।उसके हृदय में संवेदना जगानी होगी। बालक का वैज्ञानिक, डॉक्टर ,इंजीनियर बनना इतना आवश्यक नहीं है, जितना कि बड़ा होकर मनुष्य बनना है।

एक अच्छा मनुष्य बनने का प्रारंभ घर से ही करना चाहिए। यह प्रयास उसकी प्रथम गुरु यानी ÷माता÷ के द्वारा किया जाना अनिवार्य है।

गुरु के बिना ज्ञान मिलना असंभव--

यह वक्तव्य बिल्कुल सत्य है कि गुरु कृपा बिन मिले न ज्ञान। अर्थात जब तक बालक गुरु के सानिध्य में रहकर नहीं पढ़ेगा, पूर्ण निष्ठा के साथ अध्ययनरत नहीं रहेगा, तब तक उसे ज्ञान की प्राप्ति नहीं हो सकती है। जब देश में कोरोना नामक महामारी फैली थी तो बच्चे ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से पढ़ाई करने लगे। इन कक्षाओं में हमने देखा कि बालक सुचारू रूप से शिक्षण- अधिगम प्रक्रिया में प्रतिभाग नहीं कर पा रहे थे और मोबाइल का अधिक प्रयोग करने से अधिकांश बालकों को दृष्टि -दोष होने लगे। पुरातन व्यवस्था में बालक प्रकृति और गुरु के सानिध्य में बैठकर शिक्षा ग्रहण करते थे। जहाँ उन्हें अपने पर्यावरण से भी प्रेम हो जाता था। वह पेड़- पौधों की देखभाल करते थे ।उन्हें सही गलत सत्य असत्य अच्छे- बुरे का परिचय गुरु द्वारा ही कराया जाता था। किंतु आज विद्यालय बस अपना परिणाम और शैक्षिक गुणवत्ता उच्च रखना चाहते हैं। सबसे पहले हमें बालक के अंदर सभ्यता संस्कृति और मानवीय मूल्यों को विकसित करना होगा।

गुरु ही बालक का भाग्य निर्माता--

गुरु को राष्ट्र निर्माता की उपाधि ऐसे ही नहीं दी जाती है। यथार्थ के धरातल पर यदि देखें तो गुरु ही बालक का भविष्य बनाते हैं ।वह कुंभकार की भाँति होते हैं , जो कच्ची मिट्टी में थाप देकर उसे कैसा भी आकार दे देते हैं।

प्रत्येक बालक अपने गुरु को आदर्श मानता है। उन्हें अपना प्रेरणास्रोत मानकर उनका अनुकरण करने लगता है। गुरु की भूमिका इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह बालक के लिए आदर्श व्यक्तित्व होता है ।अतः गुरु को अपनी छवि बच्चों के समक्ष सही रखनी होगी।

शिक्षकों से होती है विद्यालय की पहचान--

विद्यालय मात्र सुंदर भवन और संसाधनों से परिपूर्ण इमारत का नाम नहीं है, अपितु विद्यालय शैक्षणिक कर्मचारियों से बनता है ।जब वह पूर्ण तन्मयता से बालकों को पढ़ाते हैं ...उनकी पढ़ाई के प्रति गंभीर रहते हैं... पूर्ण कर्तव्यपरायणता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं, तो विद्यालय का परिणाम भी अच्छा रहता है ।साथ ही साथ बालकों का सर्वांगीण विकास भी होता है ।आजकल विद्यालयों में ÷खेल आधारित शिक्षण÷ ÷गतिविधि आधारित शिक्षण÷ पर विशेष बल दिया जा रहा है। बच्चे करके सीख रहे हैं । वे रोचक गतिविधियों के माध्यम से पढ़ रहे हैं।विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रयोग शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ गया है।

शिक्षक ÷दीक्षा एप÷ का प्रयोग करके बालकों के लिए शिक्षण सामग्री को सरल सुगम एवं रोचक बना रहे हैं।

गुरु के बिना बालक का भविष्य सँवर नहीं सकता है। गुरु ही बालक को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है।

निष्कर्ष --

एक गुरु ही बालक का मार्गदर्शक ,पथ प्रदर्शक, प्रेरणा- स्रोत और भाग्य विधाता होता है। अतः हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि गुरु के बिना ज्ञान संभव ही नहीं है। यहाँ तक कि गुरु की आवश्यकता जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय लेने में भी पड़ती है। बारहवीं कक्षा के बाद जब बालक यह निर्णय नहीं कर पाता कि उसे आगे जीवन में क्या करना है..? तो वह मोटिवेशनल स्पीकर अथवा अपने परम गुरु के पास जाकर अपनी समस्या का निवारण खोजने का प्रयास करता है।अतः हम कह सकते हैं कि ÷ गुरु कृपा बिन ज्ञान नहीं÷। शिष्य को गुरु के निर्देशन की आवश्यकता जीवन के प्रत्येक मार्ग पर पड़ती है ।

अंत में गुरु के लिए चंद पंक्तियाँसमर्पित करती हूँ-

गुरुवर तेरे ज्ञान से,
आलोकित संसार।
तुमने सबको है दिया, विद्या
का उपहार।।
गुरु चरणों में वार दूँ, तन-
मन जीवन आज।
कर दूँ जग में रोशनी,सफल
बने हर काज।।
शिक्षक दीपक सम जले,
सदा शिष्य की राह।
सागर वह है ज्ञान का,रखता
निर्मल चाह।।
गुरुवर तुमको है नमन, देते
ज्ञान प्रकाश।
शिक्षा देकर काटते,रोग-दोष
का पाश।।
शिक्षक जैसे ईष्ट है, खोले
सुख का द्वार।
बनकर जीवन सारथी, देते
गीता सार।।

भारत गोद ले ले श्रीलंका को

श्रीलंका में वह हो रहा है, जो हमारे दक्षिण एशिया के किसी भी राष्ट्र में आज तक कभी नहीं हुआ। जनता के डर के मारे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भागकर कहीं छिप जाना पड़े, ऐसा इस भारतीय उप-महाद्वीप के किसी देश में कभी हुआ है क्या? हमारे कई पड़ौसी देशों में फौजी तख्ता-पलट, अंदरुनी बगावत और संवैधानिक संकट के कारण सत्ता परिवर्तन हुए हैं लेकिन श्रीलंका में हजारों लोग राष्ट्रपति भवन में घुस गए और प्रधानमंत्री के निजी निवास को उन्होंने आग के हवाले कर दिया।

राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्ष और प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघ को अपने इस्तीफों की घोषणा करनी पड़ी। श्रीलंका की जनता तो जनता, फौज और पुलिस ने भी इन नेताओं का साथ छोड़ दिया। दोनों ने न तो प्रधानमंत्री के जलते हुए घर को बचाने के लिए गोलियां चलाई और न ही राष्ट्रपति के जूते और चड्डियां हवा में उछालने वालों पर लाठियां बरसाईं। ये हजारों लोग राजधानी कोलंबो और उसके बाहर से भी आकर जुटे थे।

जब श्रीलंका में पेट्रोल का अभाव है और निजी वाहन नहीं चल पा रहे हैं तो ये लोग आए कैसे? ये लोग दर्जनों मील पैदल चलकर राष्ट्रपति भवन पहुंचे हैं। उनके गुस्से का अंदाज सत्ताधारियों को पहले ही हो चुका था। पिछले तीन महिने से श्रीलंका अपूर्व संकट में फंसा हुआ है। मंहगाई और बेरोजगारी आसमान छू रही थीं। सिर्फ सवा दो करोड़ लोगों का यह देश अरबों-खरबों डालर के कर्ज में डूब रहा है। 75 प्रतिशत लोगों को रोजमर्रा का खाना भी पूरा नसीब नहीं हो पा रहा है।

जो भाग सकते थे, वे नावों में बैठकर भाग निकले। जो नेता याने महिंद राजपक्ष श्रीलंका का महानायक बन चुका था, इसलिए कि उसे तमिल आतंकवाद को नष्ट करने का श्रेय था, उसे प्रधानमंत्री के पद से 9 मई को इस्तीफा देना पड़ा और अब उसके भाई गोटाबाया ने अपना इस्तीफा 13 जुलाई को देने की घोषणा की है। इस सरकार में राजपक्षे परिवार के पांच सदस्य उच्च पदों पर रहकर पारिवारिक तानाशाही चला रहे थे। ऐसी पारिवारिक तानाशाही किसी भी लोकतांत्रिक देश में सुनने में नहीं आई।

उन्होंने बिना व्यापक विचार-विमर्श किए ही कई अत्यंत गंभीर आर्थिक और राजनीतिक फैसले कर डाले। विरोधियों की चेतावनियों पर भी कोई कान नहीं दिए। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं की चेतावनियों को भी उन्होंने दरी के नीचे सरका दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री बदला और कई मंत्री भी बदल दिए। लेकिन यह बदलाव भी किसी काम नहीं आया। अब सर्वदलीय सरकार यदि बन भी गई तो वह क्या कर लेगी?

इस समय श्रीलंका को जबर्दस्त आर्थिक टेके की जरुरत है। भारत चाहे तो संकट की इस घड़ी में कुछ समय के लिए वह अपने इस पड़ौसी देश को गोद ले सकता है। यह देश भारत के किसी छोटे से प्रांत के बराबर ही है। श्रीलंका की बौद्ध और तमिल जनता भारत के इस अहसान को सदियों तक याद रखेगी।

-वेद प्रताप वैदिक-

काश! मोदी काम भी करते!

इस सप्ताह प्रधानमंत्री मोदी की जुबानी एक और गजब डायलॉग सुनने को मिला। खबर पढ़ मुझे बहुत खेद हुआ और सोचा जो बात कही है यदि उस पर उनकी सरकार ने पांच प्रतिशत भी काम किया होता तो कम से कम यह संतोष बनता कि हिंदू राजनीति, हिंदू आइडिया ऑफ इंडिया पर दुनिया यह जानती तो सही कि संघ परिवार में 'इंटेलेक्चुअल स्पेस' लायक कुछ बौद्धिकता है। प्रधानमंत्री ने देश की बौद्धिकता में अंग्रेजी के वर्चस्व के सत्य में कहा, 'क्यों इंटेलेक्चुअल स्पेस किसी विशेष भाषा को जानने वाले कुछ लोगों तक ही सीमित रहना चाहिए? सवाल सिर्फ इमोशन का नहीं है, बल्कि साइन्टिफिक लॉजिक का भी है। यानी इंटेलेक्ट का, एक्सपर्टीज का दायरा निरंतर सिकुड़ता गया। जिससे इन्वेंशन और इनोवेशन का पुल भी लिमिटेड हो गया। गुलामी के वक्त भारतीय भाषाओं के विस्तार को रोका गया। आधुनिक ज्ञान-विज्ञान, रिसर्च को इक्का-दुक्का भाषाओं में सीमित कर दिया गया। भारत के बहुत बड़े वर्ग की उन भाषाओं तक, उस ज्ञान तक एक्सेस ही नहीं था। कोई भी भारतीय बेस्ट इंफॉर्मेशन, बेस्ट नॉलेज, बेस्ट स्किल और बेस्ट अपॉर्चुनिटी से सिर्फ भाषा के कारण वंचित ना रहे, ये हमारा प्रयास है। इसलिए हमने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं में पढ़ाई को प्रोत्साहन दिया है'।

लाजवाब भाषण। यदि इसके साथ वाराणसी के शिक्षा समागम में दिए भाषण के इस अंश पर गौर करें कि अंग्रेजों की शिक्षा नीति नौकर पैदा करने के लिए थी और हम उसे बदले रहे हैं तो अपना सवाल है कि सरकार का आठ सालों में कुछ करने का प्रमाण क्या है? सोचें, भारत की पूरी सरकार, कई प्रदेशों में भाजपा की सत्ता लेकिन आठ वर्षों में मराठी, गुजराती, या कन्नड़ भाषाओं की बात तो दूर संघ परिवार ने हिंदी में एक भी बौद्धिक पैदा किया है? संघ परिवार को पता नहीं होगा लेकिन जानना चाहिए कि इंदिरा गांधी के राज में वामपंथियों ने घुसपैठ बनाकर, शिक्षा मंत्री नुरूल हसन जैसों की कमान बनवा कर शिक्षा, सामाजिक संस्थाओं, कला-विज्ञान सब जगह अपने लोग बैठा कर वह बौद्धिक लेखन, पुस्तक लेखन बनवाया, जिसकी छाप दुनिया में बनी। तभी दुनिया के बौद्धिक उनकी नजर से भारत को देखते हैं और लिखते हैं।

सरकार में ऐसी बौद्धिक कमान, संस्थानों में बौद्धिक नियुक्तियां क्या हैं? सही है कि संघ-भाजपा के पास बौद्धिक हैं कहां जो वे नियुक्तियां हों जिनके लिखने और ज्ञान से कुछ खिले। पिछले आठ वर्षों में क्या हुआ? अंग्रेजी, हिंदी, मराठी आदि किसी भी भाषा में संघ और मोदी राज की मिंमासा का क्या एक भी बुद्धिजीवी उभरा है, जिसकी लेखनी से मोदी, शाह, संघ परिवार के दिमाग, सोच का वस्तुपरक, लॉजिकल खुलासा देश-दुनिया का रेफरेंस बना हो? जब सरकार बिना 'इंटेलेक्चुअल स्पेस' के है, उसकी संस्थाएं बिना बौद्धिक दिमाग के हैं और आठ सालों में कहीं भी बौद्धिक काम नहीं है तो देश न केवल अंग्रेजी में बौद्धिक दिवालिया हुआ पड़ा है, बल्कि हिंदी में तो और जहालत-काहिली भर गई है। शर्म आती है संघ-भाजपा परिवार की ओर से हिंदी में लेखन करने वाले थोथे चेहरों और थोथे विषयों पर!

सही है अंग्रेजों ने अंग्रेजी से गुलाम बनाया। शिक्षा नीति नौकरी वाली बनाई। पर आठ वर्षों से उसे बदलने के लिए हिंदी में सरकार ने क्या काम कराया? कितनी किताबें लिखवाई? सरकार में सारा काम अभी भी हिंदी में अनुवाद व अनूदित हिंदी किताबों की प्राथमिकता का है। इंजीनियरिंग-डॉक्टरी की हिंदी में पढ़ाई के कोर्स की किताबें ऐसी अनुदित हिंदी में बनी हैं कि हिंदी भाषी नौजवान सिर पीट लेगा। आठ सालों में यदि सरकार ने पांच-आठ सुधीजनों को पैसा देकर, उनकी संस्थाएं बनवा कर मौलिक किताबें लिखवाने का काम बनवाया होता तब भी कुछ हो सकता था। हिंदी में 'इंटेलेक्चुअल स्पेस' तब बन सकता है जब बौद्धिक पत्रिकाओं, थिंक टैंक और वैचारिकता का सत्य विमर्श बने। पठनीय, बौद्धिक किताबें छपें न की प्रायोजित जीवनियां, सोवियत संघ के वक्त की प्रोपेगेंडा पुस्तकें। कम से कम पाठ्य पुस्तकों को तो कायदे से लिखवाना-बनवाना चाहिए। कितनी बड़ी बात कि नई शिक्षा नीति का मकसद नौकर और नौकरी का नहीं तो बौद्धिकता से बताए तो सही कि नई शिक्षा नीति से नौजवान क्या बनेंगे? क्या नई शिक्षा नीति में इसका बौद्धिक खाका, उसकी इंटेलेक्चुअल फाउंडेशन कोई है? बहरहाल, अब भी वक्त है। नरेंद्र मोदी को महात्मा गांधी का यह वाक्य ध्यान में रखना चाहिए कि 'अगर मेरे हाथ में तानाशाही सत्ता हो तो मैं आज से ही विदेशी माध्यम के जरिए अपने लड़के और लड़कियों की शिक्षा बंद कर दूं और सारे शिक्षकों और प्रोफेसरों से यह माध्यम तुरंत बदलवा दूं या उन्हें बरखास्त करा दूं। मैं पाठ्य पुस्तकों की तैयारी का इंतजार नहीं करूंगा। वे तो माध्यम के परिवर्तन के पीछे पीछे चली आएंगी'। हिंदी, 'इंटेलेक्चुअल स्पेस', सरकारी नौकर नहीं बनाने जैसे जुमलों में यदि प्रधानमंत्री मोदी तनिक भी कुछ कर दिखाएं तो कोई काम तो स्थायी तौर पर खाते में दर्ज होगा!

-हरिशंकर व्यास-

रघुनाथपुर उप तहसील का हुआ शुभारंभ

28 गांव के लगभग 55 हजार लोगों को रघुनाथपुर उप तहसील खुलने से पहुंचेगा सीधा लाभ
अब ग्रामीणों को तहसील के कार्य के लिए नहीं तय करना पेगा 18 किलोमीटर का सफर,

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कारपोरेशन के अध्यक्ष व लुण्ड्रा विधायक डॉ प्रीतम राम एवं 20 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल की उपस्थिति में शुक्रवार को लुण्ड्रा तहसील अंतर्गत रघुनाथपुर में उप तहसील का शुभारंभ हुआ। उप तहसील रघुनाथपुर वर्तमान में सामुदायिक भवन में संचालित होगा। इस दौरान 6 ग्रामीणों को कुल 80 हजार रुपये की राशि मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान जारी किया गया।

इस अवसर पर विधायक डॉ प्रीतम राम ने कहा कि लुण्ड्रा को उप तहसील का दर्जा देकर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने क्षेत्र के लोगों को बड़ी सौगात दी है। अब रघुनाथपुर से तहसील के कार्य के लिए 18 किलोमीटर की दूरी तय कर लुण्ड्रा नहीं जाना पड़ेगा। 14 जुलाई को कुन्नी और 15 जुलाई को लुण्ड्रा तहसील के रघुनाथपुर उप तहसील कार्यालय का शुभारंभ हो चुका है। जल्द ही मैनपाट के राजापुर में भी उप तहसील का भी शुभारंभ किया जाएगा, जिसका आदेश कलेक्टर श्री कुंदन कुमार द्वारा जारी कर दिया गया है।

ज्ञातव्य है कि कलेक्टर श्री कुंदन कुमार द्वारा सरगुजा में अपना पदभार ग्रहण करते ही अधिकारियों के साथ अपनी पहली मीटिंग में यह साफ तौर पर निर्देश दिया था कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा सरगुजा जिले के प्रवास के दौरान की गई घोषणा को जल्द से जल्द पूरा करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता में है। जिसका परिणाम कुछ ही दिन में दिखने लगा है। 12 जुलाई को धौरपुर में नवीन एसडीएम कार्यालय की शुरुआत के बाद 13 जुलाई बुधवार को कलेक्टर ने उप तहसील गठन का आदेश किया और अगले ही दिन 14 जुलाई को कुन्नी और 15 जुलाई को रघुनाथपुर में उप तहसील कार्यालय का उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की घोषणा पर त्वरित अमल करते हुए कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने सरगुज़ा जिला अंतर्गत तहसील लुण्ड्रा के राजस्व निरीक्षक मंडल रघुनाथपुर, मैनपाट तहसील के राजस्व निरीक्षक मंडल राजापुर तथा लखनपुर तहसील के राजस्व निरीक्षक मंडल कुन्नी को अपवर्तित कर नवीन उप तहसील गठित करने का आदेश जारी कर दिया था।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह, जनपद अध्यक्ष श्री गंगा प्रसाद, जनपद उपाध्यक्ष श्री वीरभद्र सिंह, अनुविभागीय दंडाधिकारी श्री आर.एस. ठाकुर, जनपद सीईओ श्री प्रवीण भगत, तहसीलदार लुण्ड्रा मुखदेव प्रसाद यादव, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रवीण अग्रवाल, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

अपचारी बालक के साथ मिलकर करता था बाइक चोरी

आरोपी व अपचारी बालक के कब्जे से पुलिस ने जब्त की तीन दो पहिया वाहन

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।
शहर से लगातार हो रही बाइक चोरी को देखते हुए एसपी ने थाना व चौकी प्रभारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वहीं चोरों को पकडने के लिए टीम भी गठित किया गया है। पतासाजी के दौरान टीम ने चोरी की तीन दो पहिया वाहन के साथ एक नबालिग सहित युवक को गिरफ्तार किया है। दोनों शहर के अलग-अलग स्थान से चोरी कर बाइक अपने-अपने घर में रखे थे। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। वहीं अपचारी बालक को बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अजय चक्रधारी ग्राम अम्हर थाना पटना जिला कोरिया निवासी अंबिकापुर नमनाकला में रहकर काम करता है। इसकी बाइक 12 जुलाई को रिलायसं सुपकर मार्केट के पास से चोरी हो गई थी। वह इसकी रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी। पुलिस द्वारा अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। एसपी भावना गुप्ता द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला एवं नगर पुलिस अधीक्षक अखिलेश कौशिक के दिशा निर्देश पर थाना अम्बिकापुर से बाइक चोरी के लिए एक टीम गठित किया गया। टीम आरोपियों की तलाश कर रही थी। इसी बीच मुखबिर से पुलिस को जानकारी मिली की उनगपारा निवासी मनोज गुप्ता व एक अपचारी बालक चोरी का मोटरसायकल रखने की सूचना पर हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान बताया कि दोनों मिलकर मायापुर पावर हाउस के पास से एक्टिवा स्कुटी क्रमांक सीजी 11 एसी 6535, पोस्ट ऑफिस के पास से टीव्हीएस मोपेड व समसुदोहा अस्पताल के पास से मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 15 सीके 3275 को चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने दोनों के घर से चोरी की तीन दो पहिया वाहन जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी उनगपारा निवासी मनोज गुप्ता के खिलाफ धारा 379 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। वहीं अपचारी बालक को बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया है। कार्रवाई में टीम में शामिल निरीक्षक भारद्वाज सिंह, प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक डा. प्रशांत देवांगन, उपनिरीक्षक रामनरेश गुप्ता, प्रधान आरक्षक सियाराम, सुमार साय, आरक्षक जयदीप सिंह, रूपेश महत, कुंदन सिंह, शिव राजवाडे, लालभुवन सिंह पैकरा, इदरिस खान सक्रिय रहे।

हिरासत में लिए गए अपचारी बालक थाने से फरार होकर की साइकिल चोरी

बाइक चोरी के मामले में पुलिस ने अपचारी बालक को हिरासत में लेकर कोतवाली लाई थी। उसे थाने में बैठने के लिए बोला गया था। पर शुक्रवार की सुबह मौका पाकर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। अपचारी बालक को फरार होने की बात पता चली तो पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। तत्काल उसे तलाश करने के लिए टीम निकल पड़ी। कोतवाली टीआई भारद्वाज ड्क्षसह ने बताया कि अपचारी बालक थाने से कुछ ही दूरी पर था। उसे बरामद कर लिया गया। वहीं बताया जा रहा है कि थाने से फरार होने के बाद अपचारी बालक रास्ते में साइकिल भी चोरी किया था।

विभिन्न मांगों को लेकर पेंशनर्स समाज ने दिया एक दिवसीय धरना

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज जिला सरगुजा द्वारा अपने विभिन्न मांगों पर शासन द्वारा गंभीरतापूर्वक विचार नहीं करने व उसपर किसी प्रकार के क्रियान्वयन नहीं किये जाने के कारण 15 जुलाई को दोपहरर 12 बजे से 3 बजे तक एक दिवसीय सांकेतिक धरना दिया गया। छत्तीसगढ़ पेंशनर समाज के जिला सरगुजा के कार्यकारी अध्यक्ष हरिशंकर सिंह प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि पेंशनरों की प्रमुख मांग मध्यप्रदेश शासन से पेंशनरी आदेश जारी करने के लिए सहमति लेने की प्रक्रिया समाप्त करने, छठवें वेतनमान के अनुरूप 32 माह का एरियर, सातवें वेतनमान के अनुरूप 27 माह का एरियर भुगतान करने एवं दिनांक 1 जनवरी 2022 से 34 प्रतिशत मंहगाई सहित पेंशन की स्वीकृति के लिए निरंतर मांग पत्र दिया गया है, किन्तु शासन द्वारा उसपर विचार नहीं किया जा रहा है। अतः पेंशनर्स समाज छग द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। यदि शासन द्वारा इसके पश्चात् भी मांगों पर विचार नहीं किया जाता है तो पेंशनर्स समाज आगे अनिश्चित कालीन आन्दोलन के लिए बाध्य होगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन की होगी। पेंशनर्स समाज के एकदिवसीय धरना प्रदर्शन को अधिकारी, कर्मचारी फेडरेशन के जिला संयोजक कमलेश सोनी के साथ-साथ विभिन्न शासकीय कर्मचारी संगठनो द्वारा नैतिक समर्थन दिया गया ।

ढाई किलो गांजा के साथ दो आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

-नगर संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।
मणिपुर चौकी पुलिस ने ढाई किलो गांजा के साथ दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी गांजा बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार नवा बिहान नशा मुक्ति अभियान के तहत जिले में नशे के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत मणिपुर चौकी प्रभारी सरफराज फिरदौसी को मुखबिर से सूचना मिली की क्षेत्र के ग्राम सुन्दरपुर में दो युवक गांजा बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर घेराबंदी कर आरोपी शुरूराम लोहार पिता खेतल लोहार उम्र 40 साल, दिलभजन पिता चौधरी राम उम्र 20 वर्ष दोनों निवासी ग्राम सुन्दरपुर, जंगलपारा, चौकी मणीपुर थाना अम्बिकापुर को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से ढाई किलो गांजा जब्त किया। जब्त गांजे की कीमत 20 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

नशे के अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही में शिथिलता बर्दाश्त नहीं:पुलिस अधीक्षक

जन चौपाल के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाए छत्तीसगढ़ शासन की कल्याणकारी योजनाए

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर, 15 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।
जिले के थाना-चौकी के कार्यो में कसावट लाने, आमजनता को राहत दिलाने संवेदनशीलता के साथ कार्य कराने, लंबित अपराध व मर्ग का निराकरण तेजी से कराने, थानों में पदस्थ अधिकारी व जवानों से पूर्ण क्षमता के साथ कार्य कराने का लेकर पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने जिले के पुलिस राजपत्रित अधिकारियों की बैठक शुक्रवार को ली। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने साफ-सुथरी पुलिसिंग करने पर जोर देते हुए अनसुलझे अपराधों एवं फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कराने एवं कार्य में लापरवाहों पर सख्त कार्यवाही कराने एवं जन चौपाल के माध्यम से छत्तीसगढ़ शासन के जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने बैठक में सख्त लहजे में कहा कि नशे के अवैध कारोबार में लिप्त अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही में शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जायेगी, अवैध कार्यो की सूचना मिलने पर त्वरित कार्यवाही कराई जाए। लंबित अपराधों एवं शिकायत की समीक्षा करते हुए त्वरित निराकरण कराने पुलिस राजपत्रित अधिकारियों को कहा। महिला व बच्चों संबंधी शिकायत व रिपोर्ट पर त्वरित कार्रवाई करने इसमें लापरवाही नहीं बरतने, नशे एवं अवैध कारोबार पर सख्ती से कार्यवाही कराने, थानों में लंबित चिटफंड कंपनियों के खिलाफ दर्ज अपराध की समीक्षा कर निराकरण करने, क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाने सूचना तंत्र मजबूत करने, गांवों में जन चौपाल लगाकर आमजनता की समस्या-शिकायतों का निराकरण कर महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराने, अपराधों को रोकने प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कराने, रात की गस्त एवं पेट्रोलिंग बढ़ाने, नशे के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ सख्ती से कार्यवाही करने, अलग-अलग स्थान व समय पर मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही करने एवं अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों का निगरानी व गुण्डा हिस्ट्रीशीट खुलवाने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर, एएसपी ए.के.जोशी, एसडीओपी प्रेमनगर प्रकाश सोनी, एसडीओपी सूरजपुर गीता वाधवानी, एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, प्रशिक्षु डीएसपी दीपमाला कुर्रे, निरीक्षक धर्मानंद शुक्ला, जावेद मियादाद मौजूद रहे।

पुलिस जन चौपाल में छत्तीसगढ़ शासन के कल्याणकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर, 15 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।
पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू के द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देने, नागरिकों की समस्या-शिकायतों का मौके पर ही निराकरण करने तथा छत्तीसगढ़ शासन के कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारियों से ग्रामीणों को अवगत कराने ग्रामों तथा साप्ताहिक बाजार में जन चौपाल लगाने के निर्देश जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को दिए है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर के मार्गदर्शन में गुरूवार, 14 जुलाई को चौकी तारा पुलिस के द्वारा ग्राम तारा में पुलिस जन चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान एसडीओपी प्रेमनगर प्रकाश सोनी ने छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीणों को अवगत कराते हुए योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया। गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, पौनी पसारी योजना, छत्तीसगढ़ सार्वभौम पीडीएस, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, प्राकृतिक आपदा क्षतिपूर्ति योजना के बारे में जानकारी देते हुए ग्रामीणों से योजना से जुड़े लाभ के बारे में चर्चा किया। नशे के विरूद्ध सूरजपुर पुलिस के द्वारा चलाए जा रहे अभियान में नशे के धंधे में लिप्त लोगों की सूचना देने की अपील किया। इसी क्रम में नशा न करने की समझाईश देते हुए नशे से होने वाली आर्थिक, सामाजिक एवं शारीरिक हानियों के बारे में अवगत कराया।

चौकी प्रभारी तारा उमेश सिंह ने ग्रामीणों को जमीन संबंधी विवाद न करते हुए विधि अनुसार निराकरण कराने, कानून के बारे में की जानकारी देते हुए अपराध से बचने की समझाईश दी। वर्तमान दौर में किए जा रहे फ्राड जिनमें बैंक एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी करने, चिटफंड के झांसे में न आने, किसी प्रकार लालच या प्रलोभन में न फंसने की समझाईश दिया। ग्रामीणों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए उसका पालन करने की अपील की। गांव की गतिविधियों के बारे में जानकारी देने तथा सूचना तंत्र को और मजबूत करने को लेकर चर्चा कर सुझाव लिए गए। अवैध गतिविधियों की सूचना अथवा परेशानी में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के संवाद नंबर 7999161672 पर देने ग्रामीणों से अपील किया। इस दौरान एएसआई लालचंद कुजूर, ग्राम तारा सरपंच सदन भगत, सरपंच जर्नादनपुर अजय सिंह, फिरोज खान, डेविड लकड़ा सहित काफी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद रहे।

स्कूलों का लगातार हो रहा निरीक्षण

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर, 15 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।
मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सूरजपुर भेंट मुलाकात भ्रमण के दौरान विकासखण्ड रामानुजनगर के ग्राम सुमेरपुर में स्कूली बच्चों ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से कहा था कि हमारे स्कूल में शिक्षक नहीं आते है। इस बात को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर इफ्फत आरा ने जिला शिक्षा अधिकारी को विशेष निर्देश देते हुए कहा है कि जिले के सभी स्कूलों में शिक्षक समय पर उपस्थित होकर ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निवर्हन करें। कोरोना काल के दौरान बच्चों की पढ़ाई बहुत प्रभावित हुआ था। अभी कोरोना से राहत है तो ऐसे समय में बच्चों की शिक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही बरदास्त नहीं की जाएगी। इसी तारतम्य में जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार राय शिक्षकों की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। शुक्रवार को विकासखण्ड प्रतापपुर अंतर्गत विकासखंड शिक्षा अधिकारी मुन्नू सिंह धुर्वे द्वारा स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में महेन्द्र प्रसाद मराबी, प्रभारी प्रधान पाठक, प्रा0 शा0 खजुरी, प्रशन्त्र राम पैकरा, सहायक शिक्षक (एल.बी.) प्रा0शा0 कोडाकुपारा बैकोना, छत्रु सिंह सहायक शिक्षक (एल.बी.) प्रा0शा0 कोडाकुपारा बैकोना, अरूण कुमार बड़ा, व्याख्याता, हाई स्कूल बैकोना, प्रभुराम सहायक शिक्षका उ.मा.वि. हरिहरपुर, रजनीकांत सहायक शिक्षक विज्ञान उमावि डांडकरवा, प्रियंका राजवाड़े, हाई स्कूल मानपुर, विकासखण्ड भैयाथान अंतर्गत विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा स्कूलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में धरम सिंह सहायक शिक्षक (एल.बी.) प्रा.शा. मंठापानी, विकासखण्ड ओड़गी अंतर्गत विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी राजीव प्रताप सिंह परिहार द्वारा स्कूलों का निरीक्षण किया गया। उनके निरीक्षण विमल कुजूर शिक्षक (एल.बी) मा0शा0 कोलपारा, विकासखंड रामानुजनगर अंतर्गत विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा निम्न स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में कुलेश्वर नेताम, सहायक शिक्षक प्रा.शा. सागरपुर अनुपस्थित पाये गये। अनुपस्थित पाए गए शिक्षकों को कारण बताओ पत्र जारी करते हुऐ जवाब मांगा गया है। जवाब संतोषप्रद नहीं पाये जाने पर विभाग द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

सोना हुआ और सस्ता,चांदी के दाम में भारी गिरावट

नई दिल्ली, 15 जुलाई 2022। सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट के बीच राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सोना 293 रुपये की गिरावट के साथ 49,970 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया, जो पिछले कारोबार सत्र में 50,263 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी भी 1,075 रुपये की गिरावट के साथ 54,326 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जो पिछले कारोबार में 55,401 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के सीनियर एनालिस्ट (कमोडिटीज) तपन पटेल ने कहा कि दिल्ली में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमतों में 293 रुपये की गिरावट आई है, जो छ्रहल्ध्रङ्ग सोने की कीमतों में रात भर की गिरावट को दर्शाता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1,703 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी 18.23 डॉलर प्रति औंस पर सपाट थी।

चांदी वायदा भाव 346 रुपये प्रति किग्रा

शुक्रवार को चांदी की वायदा कीमत 346 रुपये की गिरावट के साथ 54,689 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी का सितंबर डिलीवरी का अनुबंध 346 रुपये या 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 54,689 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया, जिसमें 24,509 लॉट के लिए कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में चांदी 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18.14 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

सोना वायदा 158 रुपये प्रति 10 ग्राम गिरा

सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया, जिससे वायदा कारोबार में शुक्रवार को सोना 158 रुपये की गिरावट के साथ 50,070 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अगस्त डिलीवरी के लिए सोने का अनुबंध 7,335 लॉट के कारोबार में 158 रुपये या 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 50,070 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। विश्लेषकों ने सोने की कीमतों में गिरावट का श्रेय प्रतिभागियों द्वारा अपने सौदों की कटान को बताया। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना 0.31 फीसदी की गिरावट के साथ 1,700.50 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

महाराष्ट्र में हुई पेट्रोल-डीजल के दामों में कटौती

नई दिल्ली ,15 जुलाई 2022। शुक्रवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया है। आज भी तेल के दाम स्थिर हैं। एक दिन पहले ही महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम में पांच रुपये और डीजल के रेट में तीन रुपये की कटौती हुई थी। नई कीमतें आधी रात के बाद से लागू भी हो गई हैं। इसके अलावा हर राज्य में कीमतें ज्यों की त्यों ही हैं। आपको बता दें कि पेट्रोल-डीजल का रेट हर दिन सुबह 6 बजे अपडेट किया जाता है।

मुंबई में अब एक लीटर पेट्रोल का रेट 106.31रु हालांकि इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल के दामों में गिरावट जारी है लेकिन इसके बावजूद घरेलू ईंधन के दामों में कोई अंतर नहीं आया है। गौरतलब है कि तेल विपणन कंपनियों ने पूरे 54 दिनों से तेल के दामों को बढ़ाया नहीं है। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 96.72 रुपये प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में अब एक लीटर पेट्रोल का रेट 106.31रु है।

रुपये के कमजोर होने से महंगी होगी विदेशी शिक्षा और यात्राएं

नई दिल्ली, 15 जुलाई 2022। इस साल रुपये की कीमत में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई है। इस समय एक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 80 रुपये के करीब हो गई है। इसस कच्चे तेल से लेकर इलेक्ट्रॉनिक सामान, विदेश में शिक्षा और विदेश यात्राएं महंगी हो जाएंगी। रुपये की कीमत में आई लगातार गिरावट के कारण देश में महंगाई और बढ़ सकती है। रुपये में गिरावट का प्राथमिक और तत्काल प्रभाव आयातकों पर पड़ता है, जिन्हें समान मात्रा और कीमत के लिए अधिक भुगतान करना होगा। हालांकि, यह निर्यातकों के लिए एक वरदान है, क्योंकि उन्हें डॉलर के बदले अधिक रुपये मिलते हैं।

भारत पेट्रोल-डीजल और जेट ईंधन जैसे ईंधन की अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए विदेशी तेल पर 85 प्रतिशत निर्भर है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 79.99 रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ, जो शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 7 पैसे की तेजी के साथ 79.92 पर पहुंच गया था। भारतीय आयात के बास्केट में कच्चा तेल, कोयला, प्लास्टिक सामग्री, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, वनस्पति तेल, उर्वरक, मशीनरी, सोना, मोती, कीमती और अर्ध-कीमती पत्थर और लोहा और इस्पात शामिल हैं। रुपये में गिरावट आने से इन वस्तुओं पर ज्यादा असर पड़ सकता है।

आयात पर होगा क्या असर

आयातित वस्तुओं के भुगतान के लिए आयातकों को अमेरिकी डॉलर में खरीदने की जरूरत है। रुपये में गिरावट से सामान आयात करना महंगा हो जाएगा। सिर्फ तेल ही नहीं बल्कि इलेक्ट्रॉनिक सामान जैसे मोबाइल फोन, कारें और उपकरण महंगे होने की संभावना है।

विदेशी शिक्षा होगी महंगी

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट का मतलब होगा कि विदेशी शिक्षा और महंगी हो जाएगी। न केवल विदेशी संस्थानों द्वारा शुल्क के रूप में वसूले जाने वाले प्रत्येक डॉलर के लिए अधिक रुपये खर्च करने की आवश्यकता है, बल्कि आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि के बाद एजुकेशन लोन भी महंगा हो गया है।

विदेश यात्रा भी होगी महंगी

कोविड-19 मामलों में गिरावट के साथ काम और घूमने के लिए यात्रा शुरू हो गई है, लेकिन रुपये में गिरावट आने से अब विदेशी यात्राएं भी महंगी हो जाएंगी।

इन्हें होगा फायदा

हालांकि, अगर एनआरआई लोग जो विदेश में रहकर कमाई करते हैं और वह भारत में अपने घर पर पैसा भेजते हैं, तो वे अब ज्यादा रुपये (रुपये के मूल्य में) भेजेंगे।

ताजा आंकड़ों के मुताबिक जून महीने में देश का आयात 57.55 फीसद बढ़कर 66.31 अरब डॉलर पर पहुंच गया। जून 2022 में व्यापारिक व्यापार घाटा 26.18 बिलियन अमरीकी डॉलर था, जो जून 2021 में 9.60 बिलियन अमरीकी डॉलर था, जो कि 172.72 प्रतिशत की वृद्धि है।

अगर आपके पास है पीपीएफ अकाउंट तो फिर नहीं करनी होगी लोन की चिंता

नई दिल्ली, 15 जुलाई 2022। अगर आपको लोन की जरूरत है और आपके पास पब्लिक प्रोविडेंट फंड एकाउंट है तो फिर आपको परेशान होने की कोई जरूरत नहीं। पीपीएफ एक लंबी अवधि की निवेश योजना है। यह एक सेवानिवृत्ति बचत योजना है। हर साल इस खाते में न्यूनतम जमा की जाने वाली राशि 500 रुपये है। आप इस खाते में अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक हर साल जमा कर सकते हैं। पीपीएफ योजना के नियमों के अनुसार, खाते की परिपक्वता अवधि 15 साल होती है। इसे पांच साल के लिए बढ़ाया भी जा सकता है।

पीपीएफ खाताधारक यदि सरकार द्वारा निर्धारित शर्तों को पूरा करते हैं तो उन्हें संकट काल में इस खाते पर लोन की सुविधा भी मिलती है। लेकिन इसके लिए आपको कुछ बातों को ठीक से जान लेने की जरूरत है।

कैसे मिलता है पीपीएफ पर लोन

अगर आपका पीपीएफ खाता तीन साल से अधिक पुराना है तो आपको इस पर आसानी से लोन मिल सकता है। लेकिन आपको यह लोन केवल छह साल तक ही मिल सकता है। यही नहीं, कोई भी व्यक्ति पीपीएफ में जमा की गई पूरी राशि के लिए ऋण नहीं ले सकता है। आप जिस साल लोन लेने जा रहे हैं, उसके ठीक पहले दो वर्ष पहले आपके खाते में जितनी रकम थी, उसका अधिकतम 25 प्रतिशत ही उधार लिया जा सकता है। इंडिया पोस्ट की वेबसाइट के अनुसार, ÷जिस वर्ष लोन लिया जा रहा है, उसके ठीक दो साल पहले खाते में जितना पैसा था, उसके 25 प्रतिशत तक का ऋण लिया जा सकता है।

पीपीएफ लोन पर ब्याज दर

पीपीएफ खाते पर लिए गए लोन की ब्याज दर आमतौर पर पीपीएफ पर मिलने वाले ब्याज से 1 प्रतिशत अधिक होती है।

कब तक लौटना होगा कर्ज

जिस महीने आपका लोन स्वीकृत हुआ है, उसके 36 महीनों के भीतर कर्ज के मूलधन को चुकाना होगा। 36 महीने के दौरान एकमुश्त या दो या अधिक मासिक किस्तों में लोन को चुकाया जा सकता है। बता दें कि पीपीएफ नियमों के अनुसार, खाताधारक को लोन लेने के लिए अपना खाता हमेशा एक्टिव रखना पड़ता है। ध्यान रहे कि लोन आप केवल तीसरे और छठे वर्ष के बीच ले सकते हैं। चूंकि सातवें वर्ष से खाते से आंशिक निकासी की अनुमति होती है, इसका मतलब है कि आप सातवें वर्ष के बाद ऋण नहीं ले सकते हैं। जबकि छठे वर्ष से पहले आप पीपीएफ खाते से निकासी भी नहीं कर सकते हैं।

रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिरा रुपया,डॉलर के मुकाबले 79.98 तक लुढ़का

मुंबई, 15 जुलाई 2022। मुद्रा बाजार में भारतीय मुद्रा रुपये की गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है। रुपये ने शुक्रवार को कारोबार की शुरुआत डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर खुलकर की। कारोबार खुलने के कुछ ही देर बाद रुपये में और गिरावट आई, जिसके कारण भारतीय मुद्रा ने डॉलर के मुकाबले 79.98 रुपये ने ऑल टाइम लो के नए रिकॉर्ड को टच कर लिया। हालांकि फिलहाल रुपया आज के लो लेवल से 12 पैसे की रिकवरी करके 79.86 के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

इंटर बैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में रुपये ने आज एक बार फिर ओपनिंग के वक्त ही ऑल टाइम लो का नया रिकॉर्ड बनाया। आज रुपये ने डॉलर के मुकाबले 6 पैसे की कमजोरी के साथ 79.94 रुपये के रिकॉर्ड लो लेवल से कारोबार की शुरुआत की। कारोबार की शुरुआत होते ही मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग तेज हो गई।

सिर्फ खाना ही नहीं है बच्चों में मोटापे का कारण,ये 5 वजहें भी हैं शामिल

स्ट्रीटफूड और जंक फूड की पॉपुलैरिटी ने बच्चों में भी मोटापे की समस्या को तेज़ी से बढ़ाया है। हालांकि, मोटापे के पीछे सिर्फ खाना ही एक वजह नहीं है, इसके साथ कई और चीज़ें हैं, जो बढ़े हुए वज़न का कारण बनती हैं। जब एक बच्चा मोटापे का शिकार हो जाता है, तो उसमें भी डायबिटीज़ या फिर हाइपरटेंशन जैसी लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों का ख़तरा बढ़ जाता है। जो एक अच्छी ख़बर नहीं होगी।

ऐसे में ज़रूरी है कि आप अपने साथ अपने बच्चों के वज़न पर भी नज़र रखें ताकि वे इन जानलेवा बीमारियों से बचे रहें और एक स्वस्थ जीवन जी सकें। मोटापे से बचे रहने का एक तरीका यह है कि घर में एक्सरसाइज़ की अहमियत को बताया जाए और सभी में इसकी आदत डाली जाए। साथ ही बच्चों में मोटापे के कारणों के बारे में भी जानें।

बचपन में मोटापे का कारण बन जाती हैं ये वजहें

सिर्फ खाना ही नहीं बल्कि खराब लाइफस्टाइल भी बचपन में होने वाले मोटापे की बड़ी वजह होती है। तो आइए एक नज़र डालें उन फैक्टर्स पर जो बच्चों में वज़न बढ़ाने का कारण बनती हैं।

खराब लाइफस्टाइल

अगर बच्चे की कोई शारीरिक एक्टिविटी नहीं है और वह सारा दिन सिर्फ टीवी देखने या फिर वीडियो गेम्स खेलने में बिताता है, तो यह भी वज़न बढ़ाने के पीछे के मुख्य कारण हो सकते हैं।

डाइट का है अहम रोल

ज़रूरत से ज़्यादा प्रोसेस्ड फूड, मीठी ड्रिंक्स और कैलोरी में हाई खापान बच्चों में भी मोटापा बढ़ाता है।

जेनेटिक भी हो सकते हैं कारण

अगर मां-बाप मोटापे के शिकार हैं, तो फिर बच्चे का ज़्यादा वज़न होने की संभावना बढ़ जाती है।

मनोवैज्ञानिक कारण

व्यक्तिगत, माता-पिता और पारिवारिक तनाव से बच्चों में मोटापे का खतरा बढ़ सकता है। कुछ बच्चे समस्याओं से निपटने के लिए भी ज़रूरत से ज़्यादा खा लेते हैं।

मेडिकल दिक्कत

अगर कोई बच्चा किसी मेडिकल स्थिति से गुज़र रहा है, और उसके लिए किसी भी तरह की फिज़ीकल एक्टिविटी करना मुमकिन नहीं है, तो इससे भी वह मोटापे का शिकार हो जाएगा।

मेकअप की हैं शौक़ीन ? तो इससे होने वाले गंभीर नुकसान के बारे में भी जान लें

आज के ज़माने में काम के साथ आपका अच्छा दिखना और आप खुद को कैसे प्रेसेंट करते हैं यह भी काफी मायने रखता है। साथ ही सोशल मीडिया का भी ज़माना है, जहां लोगों को उनके लुक्स के अधार पर मापा जाता है। इसलिए अच्छा दिखना सबसे ज़रूरी हो जाता है। मेकअप आपकी अच्छा दिखने में मदद करता है, फिर चाहे ऑनलाइन हो या ऑफलाइन।

मेकअप इंडस्ट्री भी महिलाओं को लुभाना अच्छी तरह जानती है। वे हर आम समस्या का हल निकालने के लिए प्रोडक्ट निकालते रहते हैं। अच्छे और महंगे ब्रैंड्स के मेकअप की क्वालिटी कमाल की होती है और उनका प्रोडक्ट स्किन पर न के बराबर दिखता है। हालांकि, ये बहुत कम लोग जानते हैं कि महंगे से महंगा प्रोडक्ट भी स्किन को नुकसान पहुंचाता है, फिर चाहे वह केमिकल फ्री ही क्यों न हो।

तो अगर आप भी है मेकअप की फैन, तो इससे होने वाले नुकसान के बारे में भी जान लें।

पिंपल्स और एक्ने की शुरुआत

एक्ने या पिंपल्स निकल जाना मेकअप से होने वाले सबसे आम नुकसानों में से एक हैं। अगर आप फाउनडेशन लगाने से पहले और बाद में चेहरे को धोती नहीं हैं, तो इससे स्किन के पोर्स बंद हो जाते हैं, जिससे सीबम का अतिरिक्त उत्पादन शुरू हो जाता है और पिंपल्स, एक्ने और ब्लैकहेड्स की समस्या शुरू हो जाती है।

वक्त से पहले बुढ़ापा

समय से पहले झुर्रियां या फाइन लाइन्स के नज़र आने के पीछे एक कारण लंबे समय से मेकअप का इस्तेमाल करना भी है। खासतौर पर जो लोग मेकअप को रात में हटाकर सोते नहीं हैं। आप चाहें मेकअप करें या न करें, रोज़ाना सोने से पहले क्लेंस, टोन और मॉइश्चराइज़ ज़रूर करें।

स्किन के रंग का खराब होना

कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स में ब्लीच और कई दूसरे केमिकल्स होते हैं, जिनका इस्तेमाल लंबे समय तक किया जाए, तो यह स्किन की रंगत को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

आंखों और स्किन का इन्फेक्शन

कई बार अच्छे से अच्छे ब्रैंड का मेकअप इस्तेमाल करने के बावजदू स्किन या आई इन्फेक्सन हो सकता है। ऐसा आमतौर पर तब होता है जब आप इसे बिना हटाए ही सोने चली जाती हैं। काजल, मस्कारा, आई-मेकअप और आई-लाइनर नाज़ुक आंखों पर बैक्टीरिया के पनपने का कारण बनते हैं। जिससे सूजन या इन्फेक्शन हो सकता है।

स्किन कैंसर

त्वचा का कैंसर आज सबसे आम कैंसर में से एक हो गया है, जिससे दुनियाभर के कई लोग जूझते हैं। धूप में ज़्यादा समय बिताने के साथ सूरज की हानिकारक यूवी किरणे स्किन कैंसर की वजह बनती हैं, लेकिन इसके अलावा मेकअप में पाए जाने वाले केमिकल्स भी कैंसर का कारण बन सकते हैं।

स्ट्रॉ का उपयोग करने वाले हो जाएं सावधान! सेहत को होते हैं भयंकर नुकसान

क्या आप भी होटल एवं पार्टियों में स्ट्रॉ की सहायता से पानी एवं जूस का सेवन करना पसंद करते हैं। तो यह आदत आपकी जानलेवा हो सकती है। क्योंकि स्ट्रॉ की सहायता से सॉफ्ट ड्रिंक का सेवन करने से आपको सेहत से जुड़े कई नुकसान हो सकते हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल में स्ट्रॉ का उपयोग करने से होने वाले सेहत पर नुकसान के बारे में बताएंगे।

मोटापा बढ़ाएं जब आप स्ट्रॉ की सहायता से जूस या कोल्डड्रिंक पीते हैं तो आप सामान्य से अधिक पी लेते हैं। वही हाई कैलोरी वाले सॉफ्ट ड्रिंक के छोटे घुंट पीने से आपका अधिक वजन बढ़ाने का मुख्य कारण बनते हैं। जिससे आपको भूख अधिक लगती है और आपके शरीर को नुकसान होता है। जिससे वजन बढ़ता है।

हानिकारक केमिकल्स जाते हैं शरीर के अंदर प्लास्टिक के स्ट्रॉ से बने होते हैं। और जब आप इस स्ट्रॉ से ड्रिंक करते हैं तो यह आपकी बॉडी में सीधे जाकर आपके शरीर के हार्मोन के लेवल को प्रभावित करते हैं। साथ ही ये हानिकारक केमिकल्स बीमारियों को बढ़ावा देते हैं।

दांतो को होता है नुकसान अधिकतर आपने सुना होगा कि जंक फूड खाने से दांतों में सड़न, कैविटी एवं अन्य ओरल स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। लेकिन स्ट्रॉ की सहायता से भी दांतों में समस्याएं हो सकती हैं। स्ट्रॉ का उपयोग करके यदि आप कुछ पीते हैं तो यह सीधे आपके दांतों और इनेमल को छूते हैं। यह आपके दांतों को नुकसान पहुंचाता है।

दिखने लगती है झुर्रियां जब आप स्ट्रॉ की सहायता से ड्रिंक को पीते हैं तो मुंह में चूसने के लिए अपने होठों से एक पाउट बनाते हैं। इस एक्टिविटी को दोहराने से आपके होठों के आसपास फाइन लाइंस और झुर्रियां हो सकती हैं। साथ ही आंखों के आसपास भी झुर्रियां दिखाई देने लगती हैं। यानी कम उम्र में ही आपके फेस पर झुर्रियां नजर आने लगेंगी।

बारिश के मौसम में घूमने-फिरने की कर रहे हैं प्लानिंग,तो इन बातों का रखें ध्यान

वैली ऑफ फ्लॉवर से लेकर लोनावला, कुर्ग, मुन्नार, स्पीति वैली, पांडिचेरी जैसी और भी कई जगहें हैं जहां घूमने का सही सीज़न मानसून ही होता है। बारिश के दौरान यहां अलग ही खूबसूरती देखने को मिलती है। तो अगर आप भी इनमें से किसी जगह जाने की प्लानिंग इस समय कर रहे हैं तो फ्लाइट, रेल, बस की बुकिंग ही जरूरी नहीं बल्कि कुछ और बातों का भी रखना होगा ध्यान। जिससे बारिश के मौसम में भी आप अपने ट्रिप को पूरी तरह से एंजॉय कर पाएं।

सोच-समझकर कर चुनें डेस्टिनेशन बारिश के मौसम में हिल स्टेशन जाना खतरे से खाली नहीं होता। लैंडस्लाइड होने और बादल फटने का खतरा बहुत ज्यादा रहता है, तो ऐसी जगहों पर जाना पूरी तरह से अवॉयड करें।

मौसम के हिसाब से पैक करें कपड़े

बारिश के मौसम में ऐसे कपड़ों का चुनाव करें जो भीगने के बाद आसानी से सूख जाते हैं साथ ही गर्म कपड़े भी साथ रखें। क्योंकि बारिश के बाद मौसम में हल्की ठंड भी हो जाती है ऐसे में अगर बीमार नहीं होना चाहते तो कपड़े पैक करते समय गौर फरमाएं। कॉटन और नायलॉन बेस्ट होते हैं इस मौसम के लिए।

हेल्दी स्नैक्स रखें साथ

बारिश की वजह से कई बार बाहर निकलना मुमकिन नहीं हो पाता तो ऐसे में खाने-पीने की परेशानी न हो, इसके लिए अपने साथ कुछ हेल्दी स्नैक्स जरूर कैरी करें खासतौर से अगर आप फैमिली के साथ ट्रिप पर निकले हों तब। प्रोटीन, फाइबर रिच स्नैक्स ट्रिप के दौरान भी आपको सेहतमंद रखने का काम करेंगे।

जरूरी दवाइयां हों साथ

मानसून में सर्दी, जुकाम और खांसी के साथ ही वायरस फ्लू ये सब आम समस्याएं हैं। लेकिन ये आपके ट्रिप को चौपट कर सकती हैं तो बेहतर होगा आप अपने साथ कुछ जरूरी दवाइयां रखें।

नॉर्मल नहीं वाटरप्रूफ बैग में करें पैकिंग मानसून ट्रिप के लिए क्या-क्या रखें इसकी बात तो हो गई लेकिन इन्हें सही चीज़ में पैक करना जरूरी है वरना बारिश की फुहारे आपके सामान को भी भिगो सकती हैं। तो इसके लिए वाटरप्रूफ बैग में पैक करें अपना सामान।

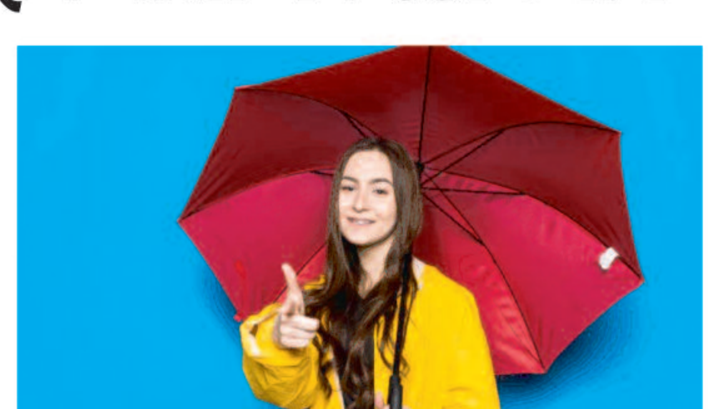

विक्रमसिंघे के हाथ में श्रीलंका की कमान, कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में ली शपथ

कोलंबो , 15 जुलाई 2022। बड़े आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे ने गुरुवार अपना इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद कोलंबो की सड़कों पर जश्न का माहौल है। प्रदर्शनकारी गोतबाया के इस्तीफे को अपनी जीत के रूप में देख रहे हैं। गुरुवार देर रात कई लोग कोलंबों की सड़कों पर निकले और जश्न मनाया। इस दौरान पटाखे फोड़े गए थे मस्ती में झूमते हुए भी लोग दिखाई दिए। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारी अब कब्जाई गई अहम सरकारी इमारतों से भी हटने लगे हैं।

कोर्ट की मंजूरी के बिना देश नहीं छोड़ पाएंगे पूर्व पीएम व मंत्री

श्रीलंका के सुप्रीम कोर्ट ने आज एक अंतरिम आदेश जारी किया है जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और पूर्व मंत्री बेसिल राजपक्षे को अदालत की अनुमति के बिना 28 जुलाई तक देश छोड़ने से रोका गया।

रानिल विक्रमसिंघे होंगे कार्यवाहक राष्ट्रपति

श्रीलंका के संसद अध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्धने ने बताया, गोतबाया राजपक्षे का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। कानूनी प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया, नया राष्ट्रपति चुने जाने तक प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में काम करेंगे। नए राष्ट्रपति के चुनाव के लिए सांसदों को कल बुलाया गया है।

'महामहिम' शब्द के इस्तेमाल पर रोक

श्रीलंका के अंतरिम राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने शुक्रवार को राष्ट्रपति को संबोधित करने के लिए 'महामहिम' शब्द के इस्तेमाल पर रोक लगाने का फैसला किया है। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रपति के झंडे को खत्म करने का एलान कर दिया है। उन्होंने अभूतपूर्व आर्थिक संकट से जूझ रहे द्वीपीय देश में लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। विक्रमसिंघे श्रीलंका के प्रधानमंत्री भी हैं।

निजी दौरे पर गोतबायाः सिंगापुर

श्रीलंका में आर्थिक और राजनीतिक संकट के बीच श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे बृहस्पतिवार को सिंगापुर पहुंच गए। इससे पहले वह अपने देश से फरार होकर मालदीव पहुंच गए थे। इस मसले पर सिंगापुर सरकार ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि राजपक्षे यहां निजी यात्रा पर हैं, उन्हें कोई शरण नहीं दी गई है। सिंगापुर के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस बात की पुष्टि हो गई है कि राजपक्षे को सिंगापुर में निजी यात्रा के तौर पर प्रवेश की अनुमति मिली है। बयान में कहा गया कि उन्होंने शरण की कोई मांग नहीं की और न ही उन्हें शरण दी गई है। सिंगापुर आमतौर पर शरण के अनुरोध को मंजूरी नहीं देता है। बृहस्पतिवार शाम 7 बजे राजपक्षे सऊदी एयरलाइंस के विमान एसवी-788 से पहुंचे।

बुधवार को होगा मतदान

श्रीलंका के सांसद गेविंदु कुमारतुंगा ने बताया, नए राष्ट्रपति के चुनाव के लिए बुधवार को मतदान किया जाएगा। उन्होंने बताया, नया राष्ट्रपति चुनने के लिए एक कार्यक्रम तय कर दिया गया है। जल्द ही नामांकन भी प्राप्त हो जाएंगे।

विक्रमसिंघे ने कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में ली शपथ

गोतबाया राजपक्षे के इस्तीफे के बाद पीएम रानिल विक्रमसिंघे ने देश के कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले ली। उन्हें श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश जयंत जयसूर्या ने शपथ दिलाई।

जापान चलाएगा धरती से चंद्रमा तक बुलेट ट्रेन,इस महाप्रोजेक्ट पर भी कर रहा काम

टोक्यो , 15 जुलाई 2022। अभी तक आपने चंद्रयान और मंगलयान के बारे में ही जाना था, लेकिन अब जल्द ही पृथ्वी से बुलेट ट्रेन में सवार होकर इंसान चंद्रमा और मंगल तक जा सकेगा। दरअसल, जापान एक महा प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। इसके तहत जापान धरती से चांद तक बुलेट ट्रेन चलाने की योजना पर काम कर रहा है। जापान की योजना पहले इस बुलेट ट्रेन को चंद्रमा तक ले जाने की है, उसकी ये योजना अगर सफल रहती है तो फिर इसे मंगल पर भी ले जाने की योजना है।

इतना ही जापान एक और योजना बना रहा है। जापान मंगल ग्रह पर ग्लास हैबिटेट बनाने का भी विचार कर रहा है। मतलब यह कि जापान मंगल पर एक ऐसा आर्टिफिशियल स्पेस हैबिटेट बनाएगा, जिसका वातावरण पृथ्वी जैसा बनाया जाएगा, ताकि इंसान वहां रह सके और उसपर मंगल के वातावरण का कोई प्रभाव ना पड़े। दरअसल, कम गुरुत्वाकर्षण वाले स्थानों पर इंसानों की मांसपेशियां और हड्डियां कमजोर हो जाती हैं।

इस प्रोजेक्ट को जापान के क्योटो विश्वविद्यालय और निर्माण फर्म काजिमा कॉर्पोरेशन ने तैयार किया है। क्योटो विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों का कहना है कि स्पेस बुलेट ट्रेन के लिए हेक्सागोन स्पेस ट्रैक सिस्टम% नामक प्रणाली तैयार की जाएगी। शोधकर्ताओं का यह भी कहना है कि इंटरप्लेनेटरी स्पेस ट्रेन पृथ्वी, चंद्रमा और मंगल के बीच यात्रा करते समय अपना गुरुत्वाकर्षण पैदा करेगी।

वहीं, आर्टिफिशियल स्पेस हैबिटेट के प्रोजेक्ट को जापानी शोधकर्ताओं ने द ग्लास नाम दिया है। इसके तहत जापानी वैज्ञानिकों ने चांद पर एक 1,300 फीट की संरचना बनाने की महत्वाकांक्षी योजना पर काम कर रहे हैं। हालांकि शोधकर्ताओं का कहना है कि इसे अंतिम रूप तक पहुंचने में 100 साल लगेंगे।

इटली के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री का इस्तीफा अस्वीकार किया

रोम, 15 जुलाई 2022। इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेला ने प्रधानमंत्री मारियो ड्रैगी का इस्तीफे अस्वीकार कर दिया। राष्ट्रपति ने उन्हें संसद को संबोधित करने के निर्देश दिए। ड्रैगी के गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टियों में से एक फाइव स्टार मूवमेंट के सीनेटरों ने विश्वास प्रस्ताव में भाग लेने से बहिष्कार किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि राष्ट्रपति ने इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। मटेरेला ने ड्रैगी को बातचीत के लिए संसद के सामने पेश होने के लिए आमंत्रित किया है। ड्रैगी के अगले बुधवार को निचले सदन और सीनेट को संबोधित करने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि फरवरी 2021 में गठित ड्रैगी की राष्ट्रीय एकता सरकार का समर्थन करने वाले गठबंधन के भीतर टकराव से संकट बढ़ गया है।

आर्थिक संकट ने मार्मिक हाल में पहुंचा दिया है श्रीलंका के तमिल मछुआरों को

कोलंबो , 15 जुलाई 2022। श्रीलंका के तमिल मछुआरे दयनीय हाल में हैं। इसका मार्मिक चित्रण मुल्लैतिवू गए पत्रकारों ने अपनी रिपोर्टों में किया है। मुल्लैतिवू में ज्यादातर तमिल आबादी ही है। पेट्रोलियम के घोर संकट के कारण यहां के लोगों की जिंदगी ठहर गई है और उनकी आमदनी के स्रोत सूख गए हैं। केरोसीन न मिलने के कारण काफी समय से वे अपनी नौकाओं को लेकर मछली मारने समुद्र में नहीं जा पाए हैं।

जिस समय कोलंबो में हजारों सरकार विरोधी आंदोलनकारी राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री निवास में घुसे, मुल्लैतिवू में चारों ओर भूख और अंधकार की कहानियां बिखरी हुई थीं। ब्लैक मार्केट में केरोसीन इतना महंगा है कि यहां के मछुआरों के लिए उसे खरीदना संभव नहीं है। इसलिए उनकी नौकाएं किनारों पर खड़ी हैं। नतीजा मछली की महंगाई के रूप में भी सामने आया है। जबकि मछली यहां के भोजन का नियमित हिस्सा है। कुछ रिपोर्टों के मुताबिक यहां मछली साढ़े पांच सौ रुपये (भारतीय मुद्रा में) किलो से भी ज्यादा के भाव पर बिक रही है। उस क्षेत्र के बाशिंदों ने पत्रकारों को बताया कि महंगाई के कारण वे लोग रोज सिर्फ एक बार ही खाना खा पा रहे हैं।

विश्लेषकों के मुताबिक मुल्लैतिबू श्रीलंका की आम हालत का एक आईना है। मुल्लैतिवू जैसी स्थिति ही देश के ज्यादातर हिस्सों में हैं। विदेशी मुद्रा की कमी के कारण श्रीलंका पेट्रोलियम सहित तमाम जरूरी चीजों का आयात नहीं कर पा रहा है। इस कारण आम जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

जाफना यूनिवर्सिटी में राजनीतिक-अर्थशास्त्र के प्रोफेसर अहिलन कादिरगमर ने वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम से बातचीत में कहा- 'अर्थव्यवस्था तो पूरी तरह ठहर चुकी है। लोगों के पास रोजगार के कोई विकल्प नहीं हैं। एक तरफ रोजमर्रा की जिंदगी की लागत बढ़ रही है, वहीं लोगों की आमदनी खत्म होती जा रही है।' जून में श्रीलंका में मुद्रास्फीति की दर 54.6 फीसदी रही। यह एक रिकॉर्ड है। इसके पहले मई में भी महंगाई दर का रिकॉर्ड बना था, जब ये दर 39.1 फीसदी दर्ज हुई थी। अगर खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर पर गौर करें, तो जून में यह 80.1 फीसदी रही।

मछली उद्योग का श्रीलंका के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान 2.7 फीसदी है। इस कारोबार से लगभग छह लाख लोगों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रोजगार मिला हुआ था। चार जिलों- मुल्लैतिवू, जाफना, मन्नार और किलिनोच्चि- में 50 हजार से ज्यादा मछुआरे परिवार हैं। इन जिलों में लगभग 15 हजार मछली मारने में काम आने वाली नौकाएं हैं। समुद्र में जाकर शाम तक वापस लौटने के लिए प्रति दिन एक नौका में 20 लीटर केरोसीन डालना पड़ता है। एक समय केरोसीन 88 श्रीलंका रुपये प्रति लीटर था। आज यह ब्लैक मार्केट में 400 से 500 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

वेबसाइट निक्कई एशिया ने मुल्लैतिवू के मजदूर तिरुकुनाबलासिंघम अमृताथसन की दुख भरी कहानी छापी है। इसके मुताबिक इस श्रमिक ने पिछले दो महीने से कुछ भी नहीं कमाया है। वे मछली मारने के जाल को समेटने का काम करते थे।

जापान चलाएगा धरती से चंद्रमा तक बुलेट ट्रेन,इस महाप्रोजेक्ट पर भी कर रहा काम

टोक्यो , 15 जुलाई 2022। अभी तक आपने चंद्रयान और मंगलयान के बारे में ही जाना था, लेकिन अब जल्द ही पृथ्वी से बुलेट ट्रेन में सवार होकर इंसान चंद्रमा और मंगल तक जा सकेगा। दरअसल, जापान एक महा प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। इसके तहत जापान धरती से चांद तक बुलेट ट्रेन चलाने की योजना पर काम कर रहा है। जापान की योजना पहले इस बुलेट ट्रेन को चंद्रमा तक ले जाने की है, उसकी ये योजना अगर सफल रहती है तो फिर इसे मंगल पर भी ले जाने की योजना है।

इतना ही जापान एक और योजना बना रहा है। जापान मंगल ग्रह पर ग्लास हैबिटेट बनाने का भी विचार कर रहा है। मतलब यह कि जापान मंगल पर एक ऐसा आर्टिफिशियल स्पेस हैबिटेट बनाएगा, जिसका वातावरण पृथ्वी जैसा बनाया जाएगा, ताकि इंसान वहां रह सके और उसपर मंगल के वातावरण का कोई प्रभाव ना पड़े। दरअसल, कम गुरुत्वाकर्षण वाले स्थानों पर इंसानों की मांसपेशियां और हड्डियां कमजोर हो जाती हैं।

इस प्रोजेक्ट को जापान के क्योटो विश्वविद्यालय और निर्माण फर्म काजिमा कॉर्पोरेशन ने तैयार किया है। क्योटो विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों का कहना है कि स्पेस बुलेट ट्रेन के लिए हेक्सागोन स्पेस ट्रैक सिस्टम% नामक प्रणाली तैयार की जाएगी। शोधकर्ताओं का यह भी कहना है कि इंटरप्लेनेटरी स्पेस ट्रेन पृथ्वी, चंद्रमा और मंगल के बीच यात्रा करते समय अपना गुरुत्वाकर्षण पैदा करेगी।

वहीं, आर्टिफिशियल स्पेस हैबिटेट के प्रोजेक्ट को जापानी शोधकर्ताओं ने द ग्लास नाम दिया है। इसके तहत जापानी वैज्ञानिकों ने चांद पर एक 1,300 फीट की संरचना बनाने की महत्वाकांक्षी योजना पर काम कर रहे हैं। हालांकि शोधकर्ताओं का कहना है कि इसे अंतिम रूप तक पहुंचने में 100 साल लगेंगे।

गौरतलब है कि नासा इस दशक के अंत में मनुष्यों को चंद्रमा पर वापस लाने की योजना बना रहा है। इसके अलावा चांद पर इंसानी बस्ती बसाने की कोशिशें जारी हैं। ऐसे में जापान के इस महाप्रोजेक्ट की घोषणा के बाद अंतरिक्ष को लेकर एक नई दौड़ शुरू हो सकती है।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहली पत्नी इवाना ट्रंप का निधन

वाशिंगटन, 15 जुलाई 2022। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहली पत्नी और उनके तीन बच्चों की मां इवाना ट्रंप का 73 साल की उम्र में निधन हो गया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म टुथ सोशल पर उन्हें याद करते हुए संदेश लिखा है। उन्होंने लिखा है, वो शानदार महिला थीं, खूबसूरत और अद्भुत..जिन्होंने एक महान और प्रेरक जीवन जिया। इवाना ट्रंप का जन्म चेक-रिपब्लिक में हुआ था और साल 1977 में उनकी शादी डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई थी।

हालांकि 15 साल साथ रहने के बाद साल 1992 में उनका तलाक़ हो गया। इवाना ट्रंप और डोनाल्ड ट्रंप के तीन बच्चे हैं। डोनाल्ड जूनियर, इवांका और इरिक ट्रंप। ख़बर के मुताबिक़, पुलिस का मानना है कि उनकी मौत किसी आकस्मिक कारण से हुई हो सकती है।

ना के आए दुर्दिन,हाई कोर्ट ने किया उसके कारोबारी स्वार्थ पर तगड़ा प्रहार

इस्लामाबाद , 15 जुलाई 2022। पाकिस्तान में सेना इस समय जिस तरह से खुद को घिरा महसूस कर रही है, वैसा इस देश के 75 साल के इतिहास में कभी नहीं हुआ। राजनीति में उसकी भूमिका को लेकर जारी जन आलोचना के बीच ही अब इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने उसके कारोबारी हितों पर सीधा प्रहार किया है। हाई कोर्ट ने एक महत्त्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि पाकिस्तान की सेना को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी कारोबारी उद्यम में शामिल होने का अधिकार नहीं है। न ही उसे सरकारी जमीन पर मालिकाना जताने का हक है। ऐसी गतिविधियों में वह तभी शामिल हो सकती है, अगर संघीय सरकार ने इसके लिए अनुमति दी हो।

पाकिस्तान में जमीन के बहुत बड़े हिस्से पर कब्जे के कारण सेना को सबसे बड़ा जमींदार कहा जाता है। साथ ही सेना कई तरह की कारोबारी गतिविधियां भी चलाती हैं, जो सैन्य अफसरों की आमदनी का एक बड़ा जरिया है। मारगला हिल्स नेशनल पार्क की जमीन पर भी सेना ने कब्जा कर रखा है। इस कब्जे को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी। इस बारे में ही इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने बुधवार को अपना विस्तृत फैसला सुनाया। विश्लेषकों के मुताबिक इस निर्णय से दूसरी जगहों पर की जमीन पर सेना के कब्जे और कारोबारी उद्यम में उसकी भागीदारी भी अवैध हो गई है। इसीलिए इस निर्णय को दूरगामी महत्व का बताया जा रहा है।

पर्यवेक्षकों ने कहा है कि सैन्य नेतृत्व के लिए इस फैसले को गले उतारना मुश्किल होगा। इसकी वजह यह है कि इससे सेना अधिकारियों के हितों पर सीधी चोट पहुंचेगी। फिलहाल संभवतया सेना फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। अगर वहां भी उसकी हार हुई, तो उसके बाद उसकी कैसी प्रतिक्रिया होगी, इस बारे में फिलहाल कुछ कहना मुश्किल है। पाकिस्तान के बनने के बाद से ज्यादातर समय तक वहां सैनिक शासन रहा है। उन अवधियों में पाकिस्तान का संविधान और संसद से पारित कानून निलंबित रहे।

हाई कोर्ट ने फैसला पाकिस्तान आर्मी एक्ट-1952, एयर फोर्स एक्ट 1953 और पाकिस्तान नेवी ऑर्डिनेंस 1961 को आधार बनाते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि ये कानून सेना की संबंधित शाखाओं को विनियमित करने और उनमें अनुशासन लाने के मकसद से बनाए गए थे। कोर्ट ने कहा कि पाकिस्तान के संविधान के मुताबिक सेना का प्रमुख दायित्व बाहरी हमले से देश की रक्षा करना है। लेकिन यह काम भी वह संघीय सरकार का निर्देश मिलने के बाद ही कर सकती है। सरकार का निर्देश एक पूर्व शर्त है।

पीएम शहबाज का बेटा भगोड़ा घोषित,इमरान के खिलाफ देशद्रोह की कार्रवाई पर विचार के लिए समिति गठित

इस्लामाबाद, 15 जुलाई 2022। मनी लांड्रिंग मामले में पाकिस्तान की एक अदालत ने पीएम शहबाज शरीफ के छोटे बेटे सुलेमान शहबाज को आरोपी मान लिया है। पाकिस्तान की अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई के बाद सीएम शहबाज अंसारी के बेटे और एक अन्य व्यक्ति को भगोड़ा घोषित कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुकाबिक, लाहौर स्पेशल कोर्ट ने सुलेमान शहबाज और ताहिर नकवी को अदालत में तलब होने का आदेश दिया था, जिसके बावजूद दोनों अदालत नहीं पहुंचे। इसको देखते हुए अदालत ने दोनों को भगोड़ा घोषित कर दिया।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई कार्रवाई

गौरतलब है कि शहबाज शरीफ के बेटों हमजा और सुलेमान के खिलाफ नवंबर-2020 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी कानून के तहत केस दर्ज किया था। अदालत ने सुलेमान और नकवी के खिलाफ 28 मई को गिरफ्तारी वारंट जारी किया तो वह ब्रिटेन फरार हो गया। उसी सुनवाई में, अदालत ने एक अन्य संदिग्ध मलिक मकसूद उर्फ मकसूद छपरासी के लिए भी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। मलिक मकसूद का पिछले महीने संयुक्त अरब अमीरात में निधन हो गया था।

एफआईए कर रही जांच

11 जून को एफआईए ने सुलेमान, नकवी और मकसूद के लिए जारी गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट के बारे में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। इसमें एफआईए ने कहा था कि वारंट पर अमल नहीं किया जा सकता क्योंकि सुलेमान अपने फरार है। शुक्रवार की सुनवाई में अदालत ने सुलेमान और नकवी की संपत्तियों के साथ-साथ मकसूद के मृत्यु प्रमाण पत्र के बारे में जानकारी मांगी।

अदालत ने प्रधान मंत्री शहबाज को सुनवाई में शामिल होने से एक बार की छूट देने का अनुरोध भी स्वीकार कर लिया है, लेकिन निर्देश दिया कि वह अगली सुनवाई में अदालत के सामने पेश हों। बाद में सुनवाई 30 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी गई।

गौरतलब है कि एफआईए की जांच में 28 बेनामी खातों का पता चला था। आरोप था कि यह शहबाज के परिवार से संबंधित हैं। इन्हीं खातों के माध्यम से 2008 से 2018 के दौरान 1400 करोड़ रुपये विदेश भेजे गए हैं। धन का पता लगाने के लिए एफआईए ने 17,000 लेन-देन की जांच की थी।

इमरान खान के खिलाफ समिति गठित

वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान के संघीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को एक समिति के गठन को मंजूरी दी है। ये समिति इस बात पर विचार करेगी कि क्या पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 6 के तहत पीटीआई पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान सहित पीटीआई के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ देशद्रोह की कार्यवाही शुरू की जानी चाहिए। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि जल्द ही यह समिति अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी।

बाइडन के पहुंचने से पहले सऊदी अरब का बड़ा एलान, इस्राइल के लिए खोला एयर स्पेस

रियाद , 15 जुलाई 2022। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के सऊदी अरब पहुंचने के ठीक पहले खाड़ी देश ने अपने हवाई क्षेत्र को सभी विमानों के लिए खोल दिया। सऊदी अरब के इस कदम को इस्राइल के प्रति खुले रुख का संकेत माना जा रहा है। बाइडन ने इस फैसले का स्वागत किया है।

सऊदी अरब ने शुक्रवार को एलान किया कि वह वह अपने हवाई क्षेत्र का उपयोग करने वाली सभी एयर लाइंसों से प्रतिबंध हटा रहा है। एक बयान जारी कहा गया है कि देश के आसमान से उड़ान भरने की सभी आवश्यक शर्तें पूरी करने वाली एयर लाइंस एयर स्पेस का इस्तेमाल कर सकेंगी।

अमेरिकी अधिकारी ने इसे ऐतिहासिक निर्णय बताते हुए इसका स्वागत किया है। इस्राइल के प्रति यह सऊदी अरब का नया समझौतावादी रुख है। इसके पहले इस्राइल ने अरब देशों के साथ संबंध स्थापित करने के अनेक प्रयासों किए, लेकिन उनके बावजूद सऊदी अरब से उसे मान्यता देने से इनकार कर दिया था। सऊदी नागरिक विमानन प्राधिकरण ने सभी अंतरराष्ट्रीय विमान कंपनियों के लिए खोलते हुए ट्विटर पर बयान जारी किया।

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने बयान जारी कर कहा कि यह निर्णय सऊदी अरब के साथ कई महीनों तक राष्ट्रपति बाइडन की सतत और सैद्धांतिक कूटनीति का नतीजा है। बाइडन आज मध्य पूर्व के इस देश पहुंच रहे हैं।

क्या अच्छे किरदार वाले खलनायक बनकर काम कर रहें हैं थाना प्रभारी ?

- » क्या बैकुंठपुर मनेंद्रगढ़ चिरमिरी व पटना थाना अंतर्गत जारी अवैध कारोबार पूरी तरह होंगे बंद ?
- » मनेंद्रगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र में अवैध शराब व जुआ का होता है अवैध कारोबार जारी।
- » मनेंद्रगढ़ शहर में कई जगह खुले आम परोसी जाती है अवैध शराब।
- » चिरमिरी सहित पटना पुलिस थाना अंतर्गत होता है कोयले सहित कबाड़ का अवैध कारोबार।
- » जिले में नए पुलिस अधीक्षक के आते ही दो पुलिस थानों में हुई है कार्यवाही।
- » चिरमिरी में कबाड़ वहीं मनेंद्रगढ़ में जुआ खेलते पकड़े गए जुआड़ी-सूत्र।
- » क्या पूरे जिले में बंद होगा जुआ,शराब सहित कोयले व कबाड़ का अवैध कारोबार ?
- » नए पुलिस अधीक्षक से लोगों को है उम्मीद,बंद होंगे अवैध कारोबार।

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 15 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। अविभाजित कोरिया जिले के शहरी थाना क्षेत्रों में जो प्रमुख पुलिस थाने हैं। उनमें सबसे चर्चित पुलिस थानों की यदि बात की जाए जहां आने के लिए प्रभारी बनने के लिए जिन पुलिस थानों के लिए होड़ लगी रहती है उनमें प्रमुख पुलिस थाने हैं चिरमिरी, मनेंद्रगढ़, पटना, बैकुंठपुर, चरचा यह सभी पुलिस थाने ऐसे पुलिस थाने हैं जहां अवैध कई प्रकार के अवैध कारोबार संचालित होते हैं और वह भी बिना डर भय के अवैध कारोबार में संलिप्त लोग अपना कारोबार करते हैं क्योंकि उन्हें पुलिस का डर नहीं होता उन्हें कानून से भय नहीं होता क्योंकि उन्ही का कहना होता है सब कुछ जमा जमाया है तो डरना कैसा।

मनेंद्रगढ़ में अवैध शराब सहित बड़े स्तर पर जुआ फड़ होता है संचालित

पुलिस थाना मनेंद्रगढ़ अंतर्गत यदि बात की जाए तो यहाँ बड़ी मात्रा में अवैध शराब खपाई जाती है लोगों को खुलेआम परोसी भी जाति है क्योंकि मध्यप्रदेश सीमा से बिल्कुल करीब होने की वजह मध्यप्रदेश की शराब यहां लाई जाती है और खुलेआम ढाबों व होटलों में परोसी जाती है। मनेंद्रगढ़ शहर के बीचों बीच कई होटलों में यह कारोबार संचालित होता है और लोग बैठकर खुलेआम शराब पीते मिल जाते हैं जिन पर कार्यवाही कभी नहीं हुई। मनेंद्रगढ़ में जुए का अंतरराज्जीय फड़ संचालित होता है और बड़ी दूर दूर से लोग जुआ खलेने यहां आते हैं यह भी सर्वविदित होने उपरांत कार्यवाही के नाम पर केवल खानापूर्ति होती है यह बात भी सभी जानते हैं। नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक के आते ही एक जुआ फड़ पर जहां कार्यवाही कर पुलिस थाना प्रभारी ने अपने तरफ से पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया वहीं अब उन्ही पर यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि जब वर्षों से जुआ फड़ और अवैध शराब का कारोबार वहां संचालित होता आ रहा है ऐसे में पहले कितनी कार्यवाहियां उन्होंने की जबकि वह दो वर्षों से वहां पदस्थ हैं।

चिरमिरी थाना क्षेत्र में जुआ,कोयले और कबाड़ का होता है अवैध कारोबार

पुलिस थाना चिरमिरी चूंकि कालरी क्षेत्र है और यहां एसईसीएल की खदानें स्थित हैं और कई खदानें जो बंद हो चूंकि हैं उनके लोहे तांबे के तार का यहां बड़े स्तर पर कारोबार होता है और बेधड़क होकर यह कारोबार कारोबारी करते हैं ऐसा प्रायः देखा जा सकता है। जुआ फड़ संचालन के मामले में भी चिरमिरी अछूता नहीं है यहां एसईसीएल कालोनियों के खाली पड़े घरों में खुलेआम जुआ फड़ संचालित होता है जिसमे सफेदपोश लोग भी शामिल होकर फडों का संचालन करते हैं यह बात भी किसी से छुपी नहीं है। कोयले का भी अवैध परिवहन यहां से किया जाता है जिसमें भी बड़े बड़े लोग शामिल हैं। चिरमिरी पुलिस थाना अंतर्गत अवैध कारोबार बड़े स्तर पर संचालित है इसबात की पुष्टि इसी बात मात्र से भी होती है कि खुद क्षेत्रीय विधायक जो चिरमिरी में ही निवास भी करते हैं ने स्वयं पुलिस थाना पहुंचकर अवैध कारोबारों पर अंकुश लगाने ज्ञापन दिया था जो चर्चा का विषय भी बना था। चिरमिरी पुलिस ने भी नए पुलिस अधीक्षक के आगमन पर उनका स्वागत मनेंद्रगढ़ पुलिस की ही तरह किया है और अवैध कबाड़ पकड़कर एक अपराध पंजीबद्ध किया है ऐसी सूचना है।

बैकुंठपुर,पटना,चरचा में भी होते हैं अवैध कारोबार

जिले के पुलिस थाना बैकुंठपुर, पटना, चरचा में भी अवैध कारोबार होते हैं जिसमें सबसे चर्चित पुलिस थाना पटना है जहां कोयला, जुआ, गांजा, नशीली दवाओं का बड़े स्तर पर कारोबार किया जाता है। पुलिस थाना पटना अंतर्गत जारी अवैध कारोबारों पर भी वर्तमान थाना प्रभारी अंकुश लगा पाने में असफल रहें हैं ऐसा अवैध कारोबार जारी रहने से पता चलता है। बैकुंठपुर व चरचा पुलिस थाना अंतर्गत भी जुआ सहित नशीली दवाओं का कारोबार होता है यह सभी को मालूम है।

क्या बंद होंगे अवैध कारोबार,नए पुलिस अधीक्षक से लोगों को है उम्मीद

जिले के विभिन्न पुलिस थाना अंतर्गत जारी अवैध कारोबार क्या बंद होंगे? अवैध कारोबार बंद हो ऐसा नए पुलिस अधीक्षक से लोगों को उम्मीद है। नए पुलिस अधीक्षक के लिए कोरिया जिला चुनौतियों से भरा जिला है क्यूंकि यहां अवैध कारोबारियों की संख्या अधिक है और कई तरह के अवैध कारोबार संचालित होते हैं, वहीं अवैध कारोबारियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें कानून का भी डर नहीं है ऐसे में कैसे उनपर नकेल कसी जा सकेगी यह नए पुलिस अधीक्षक की सूझबूझ से ही संभव हो सकेगा।

पुराने फिल्मों के अच्छे किरदार वाले खलनायक बनकर काम कर रहें हैं थाना प्रभारी

जिले में यदि पुलिसिंग की बात की जाए तो थाना प्रभारियों का एक ऐसा किरदार पुरानी फिल्मों की तरह सामने आएगा जिसमें एक खलनायक का किरदार कर रहे नायक की छवि देखने को मिलेगी जो अवैध कारोबार में भी ऐसे अवैध कारोबार में संलिप्त रहता था।

नगर पंचायत बनने का विरोध करने वाले नदारत

- » नगर पंचायत बनने के पक्ष में पहुंचे लोग ग्राम सभा में किया शक्ति प्रदर्शन।
- » नायाब तहसीलदार की उपस्थिति में आयोजित हुई पटना की ग्राम सभा नगर पंचायत बनने के लिए सहमति।
- » पंचायत पटना के पूर्व उप सरपंच अपने अभियान में सफल,पटना को नगरपंचायत बनाने का प्रस्ताव ग्रामसभा मे हुआ पारित।
- » पटना को नगरपंचायत बनाने पूर्व उप सरपंच ने लगा रखा था पूरा जोर।
- » पटना को नगर पंचायत बनाने मुख्यमंत्री के आगमन पर भी पूर्व उप सरपंच पहुंचे थे सैकड़ों समर्थकों संग।
- » ग्राम पंचायत से नगर पंचायत बनाये जाने ग्राम सभा मे पहुंचे ग्राम के व्यवसायियों ने सौंपा सहमति पत्र।
- » ग्राम सभा अधिकारी नायब तहसीलदार ने लिया सहमति पत्र,प्रस्ताव रजिस्टर में भी कार्यवाही हुई दर्ज।
- » नगर पंचायत नहीं बनाए जाने को लेकर अभियान में जुटे ग्रामवासियों में से किसी के भी ग्रामसभा में नहीं पहुंचने की सूचना।
- » एक बार पुनः होगी ग्रामसभा पहुंचेंगे नगरपंचायत बनाये जाने को लेकर विरोध करने वाले,सूत्र।

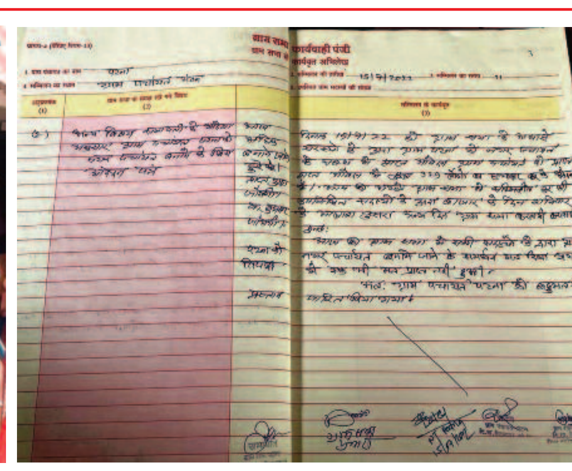

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 15 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। बैकुंठपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत पटना को ग्राम पटना अपने भेंट मुलाकात कार्यक्रम के तहत पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री ने नगर पंचायत बनाये जाने की घोषणा की थी और यह घोषणा क्षेत्रीय विधायक के मांग पर साथ ही पटना ग्राम से व्यवसायियों द्वारा प्रस्तुत मांग पत्र के आधार पर की गई थी जिसका बाद में ग्राम के ही ग्रामवासियों के एक तबके ने विरोध शुरू कर दिया था और उसी दिवस उन्होंने मुख्यमंत्री के बैकुंठपुर प्रवास के दौरान ही अपना विरोध मुख्यमंत्री के सामने लिखित रूप से दर्ज करते हुए यह कहकर नगर पंचायत नहीं बनाए जाने की मांग की थी कि ग्राम की 75 प्रतिशत आबादी ग्रामीण आबादी है और उनको नगर पंचायत बनाये जाने के बाद शासकीय सुविधाओं का लाभ नहीं मिल सकेगा जो ग्राम पंचायत रहते उन्हें मिल रहा है और उनपर टेक्स का भी बेवजह भार पड़ेगा। मुख्यमंत्री की घोषणा साथ ही नगर पंचायत के समर्थन और विरोध के बीच अंत मे बात ग्रामसभा पर आकर टिक गई थी जो सम्पन्न हुई और नगर पंचायत बनाये जाने का प्रस्ताव ग्राम पंचायत में पारित हो गया। नगर पंचायत बनाये जाने को लेकर पूरे अभियान में यदि किसी की सबसे मुख्य भूमिका रही तो वह पटना ग्राम पंचायत के पूर्व उप सरपंच की रही जिन्होंने मुख्यमंत्री के आगमन पर जहां नगर पंचायत के समर्थन में ग्राम के व्यवसायियों को इकट्ठा कर मुख्यमंत्री को समर्थन जताया था वहीं उन्होंने पूरे अभियान को ऐसे सफल बनाया की ग्राम सभा मे भी विरोध दर्ज नहीं हो सका और प्रस्ताव पारित हो गया।

पूर्व उप सरपंच की भूमिका अहम रही नगर पंचायत बनाये जाने को लेकर जारी अभियान में

ग्राम पंचायत को नगर पंचायत बनाया जाए इस पूरे अभियान में पूर्व उप सरपंच की भूमिका बहोत अहम रही जिन्होंने एक तरह से इस पूरे अभियान को पूरी तरह समय दिया और सभी को नगर पंचायत में करने उन्होंने अपना सम्पूर्ण समय प्रदान किया। विरोध में जा रहे कुछ लोगों को भी उन्होंने पक्ष में करते हुए अभियान को सफल बनाया वहीं उन्होंने अपने अभियान के तहत ही ग्रामसभा मे भी विरोध दर्ज नहीं होने दिया वहीं वह पूरे अभियान में पीछे से ही अभियान का संचालन करते रहे।

नायब तहसीलदार को सौंपा गया नगर पंचायत बनाये जाने का समर्थन पत्र

आज पटना ग्राम के व्यवसायियों द्वारा ग्राम पंचायत में आयोजित ग्राम सभा मे उपस्थित होकर नगर पंचायत बनाये जाने को लेकर नायब तहसीलदार को समर्थन पत्र सौंपा गया और यह भी कहा गया कि वह नगर पंचायत बनाये जाने के पक्ष में हैं।

ग्रामसभा में भी प्रस्ताव हुआ पारित

शुक्रवार को अयोजित ग्रामसभा में ग्राम पटना को नगर पंचायत बनाये जाने का प्रस्ताव पारित हो गया और यह प्रस्ताव ग्रामसभा पंजी में दर्ज हो गया वहीं इसके विरोध में एक भी व्यक्ति सामने नहीं आया यह बताया जा रहा है। अब ग्रामसभा में पारित प्रस्ताव को नगर पंचयात के समर्थन में मानकर आगे की कार्यवाही के लिए भेज दिया जाएगा यह भी बताया जा रहा है।

ग्राम पंचायत को नगर पंचायत बनाये जाने के विरोध में फिर हो सकती है ग्रामसभा

पटना को नगर पंचायत नहीं बनाया जाय इस मांग के समर्थन करने वालों को जैसे ही ग्रामसभा में पारित समर्थन प्रस्ताव की सूचना मिली वह भी वहां पहुंचे लेकिन विलंब से पहुंचे ऐसी सूचना है। विरोध करने वाले पुनः ग्रामसभा की बात करते नजर आए और उन्होंने नाराजगी भी जाहिर की जैसी की सूचना है,जबकि प्रस्ताव पारित हो गया और अब शायद ही ग्रामसभा हो ऐसी भी खबरें सामने आ रहीं हैं। इधर वर्तमान सरपंच ने भी प्रस्ताव में समर्थन हस्ताक्षर सहित किया जो कार्यवाही पंजी में दर्ज हो चुका है।

कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ

-नगर संवाददाता-
वाड्रफनगर 15 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छठवीं में प्रवेश होने वाले प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ जिसमें चाणक्य एकेडमी सुलसुली कोचिंग संस्थान से 3 विद्यार्थियों का चयन हुआ जिसमें नमन पटवा , सत्यम मानिकपुरी एवम ऋशु सिंह हैं एक ही कोचिंग संस्थान से 3 विद्यार्थियों का चयन होना काफी हर्ष उल्लास का विषय है द्य बता दें कि चाणक्य एकेडमी कोचिंग शिक्षण संस्थान विगत 6 वर्षो से वाड्रफनगर एवं सुलसुली में सेवाएं दे रहा है एवं शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रयत्नशील है द्य इस अवसर पर समस्त ग्राम वासियों ने कोचिंग संस्थान के शिक्षक पंकज कुमार चौधरी एवं सुधीर कुमार चौधरी को हार्दिक बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी तथा चयनित विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की द्य बातचीत के दौरान चाणक्य एकेडमी वाड्रफनगर के संचालक आकाश तिवारी ने बताया कि हमारे सेंटर से प्रतिवर्ष 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम 95त्न तक जाता है संस्थान का उद्देश्य समस्त प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे जवाहर नवोदय विद्यालय ,सैनिक विद्यालय ,व्यापम, सीजी पीएससी सहित 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा इत्यादि की तैयारी कराना है द्य साथ ही ग्रामीण अंचल में जो विद्यार्थी आर्थिक रूप से सशक्त ना हो किंतु प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने की इच्छुक हो ऐसे विद्यार्थियों के लिए हमारा कोचिंग संस्थान मुफ्त में शैक्षणिक कार्य कराएगा द्य साथ ही नवोदय विद्यालय एवं सैनिक विद्यालय में चयनित समस्त तीनों विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धि पर हार्दिक बधाइयां दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की द्य उन्होंने कोचिंग संस्थान के शिक्षक पंकज कुमार चौधरी एवं सुधीर कुमार चौधरी के इस उपलब्धि पर सराहना की।

मंत्री ने जल शोधन संयंत्र पहुंच निरीक्षण कर ली जानकारी

कोरबा 15 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। प्रवास पर आए केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री श्री गिरिराज सिंह नगर निगम क्षेत्रांतर्गत कोहड़िया पहुंचे। यहां 29 एमएलडी जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण कर निगम क्षेत्र कोरबा में जलापूर्ति व्यवस्थाओं का जायजा लिए। इस दौरान संयंत्र के संबंध में आवश्यक जानकारी निगम आयुक्त प्रभाकर पांडे सहित उपस्थित अधिकारियों से ली।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0 202109020700052/ अ-27/2020-21

फर्द बंटवारा का अंतिम प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा.प्र.क्रं. 202109020700052 / अ-27/2020-21 पक्षकार महजबी प्रति गोल्डन सिद्दीकी वगै. ग्राम नवागढ़ स्थित भूमि खसरा नंबर 316/3 रकबा 0.360 हे0 भूमि का फर्द बंटवारा सूची हल्का पटवारी से प्राप्त हुआ है,जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त फर्द बंटवारा में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10/08/2022 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 15/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
अम्बिकापुर सरगुजा

नपा अध्यक्ष ने सालों से बंद पड़ी लाइब्रेरी को पुनःशुरू करने के लिये मुख्य नपा अधिकारी को आदेशित किया

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 15 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। शहर के हृदय स्थल तीरथ गुप्ता कांप्लेक्स में बने लाइब्रेरी को पुनः से शुरू करने के लिए नगर पालिका अध्यक्षा नविता शिवहरे ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को आदेशित किया साथ ही कुछ सुविधाएं जोकि अभी लाइब्रेरी में नहीं है और कुछ चीजें जो टूट गई है उसे पुनः बनवाने के लिए बताया आपको बता दें कि कई सालों से बंद पड़ी लाइब्रेरी में धूल जम रही थी देख रेख के अभाव में बंद पड़ी लाइब्रेरी की स्थिति काफी दयनीय हो गई थी इसकी जानकारी जब नपाध्यक्ष को। मिली तो तुरंत उन्होंने नपा अधिकारी एवं नपा स्टाफ के साथ वहां पहुची एव उसे पुनः प्रारंभ करने के लिए कहा।

जल्द आएगी नयी पुस्तकें

नविता शिवहरे अध्यक्षा

नपा बैकुंठपुर सालों से बंद पड़ी लाइब्रेरी की कुछ पुस्तके भी पुरानी हो गयी है इसलिए नपा अध्यक्ष ने जल्द नई पुस्तकें लाने की भी बात कही साथ ही युवाओ बच्चो बच्चियों से निवेदन भी किया कि वो प्रतिदिन अवश्य पुस्तकालय आये और ज्ञान का भंडार प्राप्त करे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सूरजपुर जिला सूरजपुर (छत्तीसगढ़)

Phone:-07775-266048 Email ID: ee-res.surajpur@gov.in....

''निविदा आमंत्रण सूचना द्वितीय बार''

क्रमांक/1295/व.ले.लि./ग्रां.यां.से./2022-23 सूरजपुर दिनांक 12.07.2022

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''डी'' एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रशिक्षण दर पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्रं	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रूपए लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4
1	Zonal tender under Janpad Panchayat,Bhaiyathan and Premnagar Distt-Surajpur (C.G) रूपए 4000000 लाख की परिधि में प्रति नग 10 लाख से कम लागत के	40.00 लाख	25-07-2022

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति,निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी दिनांक 13.07.2022 से कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर एवं विभागीय वेबसाईट https://cgres.cgeprocurement.gov.in/ पर प्राप्त की जा सकती है।

जी नंबर-92958/2

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग सूरजपुर,जिला-सूरजपुर

छत्तीसगढ़ शासन,जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता,जल संसाधन संभाग क्रं.1 अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal:https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

निविदा सूचना क्रमांकः07/व.ले.लि./2022-23 दिनांक 12.07.2022 निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 02.08.2022(17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैः

ग्रू.प. क्रं	सिस्टम निविदा क्रं	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत
1	104785	डूभा के पास चम्पानाला में स्टापडेम निर्माण कार्य। 10 वर्ष तक अनुरक्षण कार्य सहित।	रू.250.04 लाख।
2	104786	बरढोढ़ी चम्पानाला में स्टापडेम सह पुलिया निर्माण कार्य। 10 वर्ष तक अनुरक्षण कार्य सहित।	रू.249.54 लाख।

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 19.07.2022. समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किए जा सकते हैं।
नोटः निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्रं. 1
अम्बिकापुर (छ.ग.)
कृते-मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार जल संसाधन विभााग
अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

जी नंबर-92964/2

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रीस टॉपली ने चटके 6 विकेट

भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में छह विकेट लेकर इंग्लैंड को सौ रन से जीत दिलाने वाले बायें हाथ के तेज गेंदबाज रीस टॉपली ने कहा कि हाल ही में चोटों के कारण क्रिकेट से दूर रहने का उन्हें फायदा मिला

लंदन,15 जुलाई 2022। भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में छह विकेट लेकर इंग्लैंड को सौ रन से जीत दिलाने वाले बायें हाथ के तेज गेंदबाज रीस टॉपली ने कहा कि हाल ही में चोटों के कारण क्रिकेट से दूर रहने का उन्हें फायदा मिला। पहले मैच में दस विकेट से हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए इंग्लैंड ने भारत को सौ रन से हराया। टॉपली ने 24 रन देकर छह विकेट लिये। उन्होंने पूर्व कप्तान पॉल कोलिंगवुड का 17 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 31 रन देकर छह विकेट लिये थे। अब दोनों टीमें रविवार को तीसरा और आखिरी वनडे खेलेंगी।
टॉपली ने कहा ,'' यह शानदार टीम प्रदर्शन था। यह काफी मायने रखता है। हर किसी का सपना इंग्लैंड के लिये खेलने का होता है। अब रविवार को बड़ा मैच है जिसे जीतकर हम श्रृंखला अपने नाम करने की कोशिश करेंगे।'' सात साल पहले इंग्लैंड के लिये पहला मैच खेलने वाले टॉपली 17 वनडे खेल चुके हैं।चोटों के कारण उनका कैरियर बुरी तरह प्रभावित हुआ लेकिन वह वापसी को भुनाने के लिये बेताब हैं।
उन्होंने कहा ,'' मैं जितनी बार हो सके, इंग्लैंड के लिये खेलना चाहता हूं और जीत में योगदान देना चाहता हूं। यह सौभाग्य की बात है।'' इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम एक बार फिर बल्लेबाजी में नाकाम रही लेकिन टॉपली के जुझारूपन की उन्होंने तारीफ की। उन्होंने कहा ,'' उसकी कहानी दिलचस्प है। वापसी करके लार्ड्स पर छह विकेट लेना शानदार है। उसका अनुभव कठिन था और उसे पता भी नहीं था कि वह दोबारा खेल भी सकेगा या नहीं और उसके बाद इस तरह का प्रदर्शन वाकई काबिले तारीफ है।

शिखर धवन ने इंग्लैंड के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में की वापसी

नयी दिल्ली ,15 जुलाई 2022। भारतीय ओपनर शिखर धवन ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की. उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी वनडे मैचों की सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी भी करनी है. इस स्टार सलामी बल्लेबाज की तारीफ भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भी की है. मांजरेकर का मानना है कि धवन भारतीय क्रिकेट में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं और वनडे फॉर्मेट में वह हमेशा से सर्वश्रेष्ठ साबित हुए हैं.

रोहित शर्मा ने फिर किया विराट का समर्थन

लंदन ,15 जुलाई 2022। विराट कोहली के खराब फॉर्म को लेकर लगातार हो रही चर्चा पर भड़के भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने एक बार फिर उनका बचाव करते हुए कहा कि उनकी समझ से परे है कि यह चर्चा क्यो हो रही है। भारत की सौ रन से हार के बाद प्रेस कांफ्रेंस में रोहित ने कोहली के खराब फॉर्म के बारे में पूछने जा रहे एक पत्रकार को बीच में ही टोक दिया। रोहित ने कहा, ''इस पर बात क्यूं हो रही है यार। मतलब समझ में नहीं आता भाई।'' उन्होंने कहा, ''उसने इतने लंबे समय तक इतने सारे मैच खेले हैं। वह इतना महान बल्लेबाज है और उसे किसी तरह के आश्वासन की जरूरत नहीं है।''
इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने भी कोहली का बचाव करते हुए कहा कि उसके जैसे प्रतिभाशाली क्रिकेटर को बस एक बड़ी पारी की जरूरत है। ग्रोइन की चोट के कारण पहले वनडे से बाहर रहने के बाद कोहली ने दूसरे वनडे में वापसी की लेकिन 16 रन ही बना सके। इससे पहले टी20 श्रृंखला में उन्होंने 1 और 11 रन बनाये थे जिसके बाद कपिल देव जैसे धुरंधरों ने कहा था कि उसे टीम से बाहर क्यो नहीं किया जा सकता। रोहित ने हालांकि कहा कि कोहली की टीम में जगह सुरक्षित है और उन्हें किसी तरह के आश्वासन की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा ,'' मैने पहले भी कहा है कि फॉर्म ऊपर नीचे होता रहता है। यह हर क्रिकेटर के साथ होता है।
महानतम क्रिकेटरों के कैरियर में भी उतार चढाव आये हैं।'' उन्होंने कहा ,'' उसने भारत के लिये इतने मैच जीते हैं और उसे फॉर्म में वापसी के लिये एक या दो पारियों की जरूरत है। ऐसा मेरा मानना है और मुझे यकीन है कि क्रिकेट देखने वाले भी ऐसा ही सोचते होंगे।'' रोहित ने कहा ,'' मुझे पता है कि इस पर बात हो रही है लेकिन हमें समझना होगा कि इतने साल में इतने खिलाड़ियों ने उतार चढाव का सामना किया है लेकिन श्रेष्ठता बरकरार रहती है। इसे ध्यान में रखना होगा। उसके पिछले रिकॉर्ड देखिये। उसके शतक, उसका औसत, उसका अनुभव। निजी जीवन में भी तो खराब दौर आता है।''
वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी20 श्रृंखला के लिये कोहली टीम में नहीं है। बताया गया है कि उन्होंने आराम मांगा है। बटलर ने भी कोहली का बचाव करते हुए कहा ,'' कोहली भी इंसान है और कुछ मैचों में उसका स्कोर खराब हो सकता है। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से एक है। इतने साल से इतना शानदार खेल रहा है और सभी खिलाड़ियों के कैरियर में खराब दौर आता है। विरोधी कप्तान होने के नाते मैं इतना कह सकता हूं कि उसके जैसे खिलाड़ी को एक पारी की जरूरत है लेकिन उम्मीद है कि वह हमारे खिलाफ नहीं बनाये।''

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने किया कोहली का बचाव

यह दौर भी बीत जायेगा,मजबूत बने रहो

नयी दिल्ली ,15 जुलाई 2022। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने लंबे समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे विराट कोहली का बचाव किया है। कोहली इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में भी सस्ते में आउट हो गए। बाबर ने ट्विटर पर संदेश के जरिये कोहली का बचाव किया। उन्होंने लिखा ,'' यह दौर भी बीत जायेगा। मजबूत बने रहो।'' इससे पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने दूसरे वनडे के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कोहली का बचाव किया था।
रोहित ने कहा था ,'' उसने इतने लंबे समय तक इतने सारे मैच खेले हैं। वह इतना महान बल्लेबाज है और उसे किसी तरह के आश्वासन की जरूरत नहीं है।'' उन्होंने कहा ,'' मैने पहले भी कहा है कि फॉर्म ऊपर नीचे होता रहता है। यह हर क्रिकेटर के साथ होता है। महानतम क्रिकेटरों के कैरियर में भी उतार चढाव आये हैं।'' बटलर ने भी कोहली का बचाव करते हुए कहा ,'' कोहली भी इंसान है और कुछ मैचों में उसका स्कोर खराब हो सकता है। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से एक है। इतने साल से इतना शानदार खेल रहा है और सभी खिलाड़ियों के कैरियर में खराब दौर आता है।विरोधी कप्तान होने के नाते मैं इतना कह सकता हूं कि उसके जैसे खिलाड़ी को एक पारी की जरूरत है लेकिन उम्मीद है कि वह हमारे खिलाफ नहीं बनाये।'' कोहली इस साल खेले सात वनडे मैचों में 158 रन ही बना सके हैं जिनमें सिर्फ दो अर्धशतक है। वह आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के बाबर और इमामुल हक के बाद तीसरे स्थान पर हैं।

कोहली और बुमराह को वेस्टइंडीज के खिलाफ टी 20 श्रृंखला में आराम

नयी दिल्ली ,15 जुलाई 2022। विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को वेस्टइंडीज और अमेरिका में 29 जुलाई से होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से आराम दिया गया है। हाल ही में हर्निया का आपरेशन कराने वाले के एल राहुल और कुलदीप यादव की टीम में वापसी हुई है बशर्ते दोनों फिटनेस टेस्ट में खरे उतरें। कुलदीप को जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में हाथ में चोट लगी थी।
रविचंद्रन अश्विन ने भी 18 सदस्यीय टीम में वापसी की है। उन्होंने आखिरी टी20 मैच पिछले साल नवंबर में खेला था। पीटीआई ने इससे पहले खबर दी थी कि खराब फॉर्म से जूझ रहे कोहली ने वेस्टइंडीज के सीमित ओवरों के पूरे दौरे से आराम मांगा है। स्टार लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को भी आराम दिया गया है। कप्तान रोहित शर्मा , ऋषभ पंत और हार्दिक पंड्या वनडे श्रृंखला का हिस्सा नहीं होंगे लेकिन टी20 में वापसी करेंगे। धवन वनडे टीम के कप्तान होंगे। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई और तेज गेंदबाज आवेश खान ने टी20 टीम में जगह बरकरार रखी है।
वहीं इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी दो टी20 में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं रहे अर्शदीप सिंह भी टीम में लौटे हैं। तेज गेंदबाज उमरान मलिक को टीम में जगह नहीं मिली है जो इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला में टीम का हिस्सा थे।
उन्हें अभी अपने खेल पर मेहनत करने की जरूरत है। पहला टी20 मैच 29 जुलाई को त्रिनिदाद में खेला जायेगा। इसके बाद दो मैच सेंट किट्स में होंगे जबकि बाद में अमेरिका के लॉडेरहिल में दो मैच खेले जायेंगे।
भारतीय टीम = रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन, के एल राहुल (फिट होने पर), सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, श्रेयस अय्यर, दिनेश कार्तिक, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, आर अश्विन, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव (फिट होने पर) , भुवनेश्वर कुमार, आवेश खान, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह।

शूरवीर के एक्शन सीक्वन्स के लिए कड़ी ट्रेनिंग लीःआदिल खान

बॉलीवुड अभिनेता आदिल खान का कहना है कि शूरवीर के एक्शन सीक्वन्स के लिए उन्होंने बेहद कड़ी ट्रेनिंग ली है। आदिल खान इन दिनों अपनी आगामी सीरीज़ शूरवीर को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज़ में वह एक मिलिटरी पर्सनल का किरदार निभा रहे हैं। अपने इस किरदार को वास्तविक रूप देने के लिए आदिल ने जबरदस्त ट्रेनिंग ली है, इस शो के शूटिंग के सिलसिले में उन्होंने कई शहरों की यात्रा भी तय की है।
आदिल ने इस सीरीज को पूरा करने के लिए सर्बिया, दिल्ली, मुंबई, कश्मीर की यात्रा तय की और उसी के लिए बड़े पैमाने पर बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन भी किया। आदिल ने कई महीनों तक एक्शन दृश्यों के लिए प्रशिक्षण लिया जि एक वायु सेना के पायलट के बॉडी पोस्चर को बनाए रखा जा सके और अपने किरदार को वास्तविक रूप दे सके।
आदिल खान ने कहा, शूरवीर के लिए की गई तैयारियों को मैंने काफी एंजॉय किया। बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन के अलावा मैं अपने किरदार के लिए रियल लाइफ हीरो से भी इंटरएक्ट किया था और मेरे लिए वो लम्हा बहुत ही यादगार रहा, मैंने उस इंटरेक्शन के दौरान बहुत कुछ सीखा। शो के दौरान हमने अलग अलग लोकेशन पर ट्रैवल करते समय हमने खूब मजे किए, और मैंने अपने ट्रेनर से कुछ महीनों की ट्रेनिंग ली जिससे मेरा बॉडी पोस्चर परफेक्ट हो, मैंने शूरवीर के लिये एक्शन सीचेंस के लिए एक महीने की ट्रेनिंग ली। शूरवीर के शुरू होने से पहले मुझे एक्शन के लिए सिरिल रैफेली द्वारा प्रशिक्षित किया गया था और मैंने भारत में अपने ट्रेनर के साथ उस प्रशिक्षण को जारी रखा था।

सम्राट पृथ्वीराज से चल गया मानुषी छिल्लर का सिक्का,साइन की तीसरी फिल्म

पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर का बॉलीवुड डेब्यू काफी चर्चित रहा। उन्होंने सुपरस्टार अक्षय कुमार के ऑपोजिट फिल्म सम्राट पृथ्वीराज से अपना डेब्यू किया था। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में उनके काम को देखते हुए उन्हें नई फिल्मों के लिए भी साइन किया जाने लगा है। खबर है कि हाल ही में मानुषी ने अपनी तीसरी फिल्म साइन की है। यह एक ऐक्शन एंटरटेनर फिल्म हैं और इस फिल्म में मानुषी का ऐक्शन अवतार देखने को मिलेगा। रिपोर्ट्स के अनुसार मानुषी को उनकी तीसरी फिल्म मिल गई है। इस फिल्म की ज्यादातर शूटिंग यूरोप में होगी। चर्चा है कि मानुषी इस फिल्म की शूटिंग के लिए जल्द ही यूरोप के लिए रवाना हो सकती हैं। फिल्म एक ऐक्शन एंटरटेनर है जिसके लिए मानुषी कड़ी तैयारी भी करेंगी। खबरों के मुताबिक निर्माता इस फिल्म के लिए एक नए चेहरे की तलाश कर रहे थे जिसकी शानदार ऑनस्क्रीन पर्सनालिटी हो। उन्होंने इसके लिए मानुषी का चुनाव किया।
बता दें कि सम्राट पृथ्वीराज के बाद मानुषी विक्की कौशल के साथ द ग्रेट इंडियन फैमिली साइन कर चुकी हैं। विक्की और मानुषी के अलावा फिल्म में यशपाल शर्मा भी होंगे। यह फिल्म यशराज फिल्म्स के बैनर तले बन रही है। फिल्म का निर्देशन विजय कृष्ण आचार्य कर रहे हैं।

फिल्म को लिखा भी विजय ने है। यह रोमांटिक ड्रामा एक ऐसे युवक की कहानी जिसकी असल पहचान सामने आने के बाद उसकी जिंदगी में भूचाल आ जाता है। मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद से ही चर्चा थी कि मानुषी जल्द बॉलीवुड में डेब्यू कर सकती हैं। आखिरकार उन्होंने इस साल आई फिल्म सम्राट पृथ्वीराज से पर्दे पर कदम रखा। फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई, लेकिन राजकुमारी संयोगिता का किरदार निभाकर मानुषी ने फिल्ममेकर्स का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। पहली फिल्म से ही मानुषी ने अपने काम और ऊर्जा का नमूना पेश कर दिया है।
मानुषी ने साल 2017 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीतकर देश का नाम रोशन किया था। इसके बाद से ही उनके अभिनय की दुनिया में आने के कयास लग रहे थे। मानुषी से पहले प्रियंका चोपड़ा और ऐश्वर्या राय भी मिस वर्ल्ड बनने के बाद बॉलीवुड में सफलता के झंडे गाड़ चुकी हैं। प्रियंका ने साल 2000 में मिस वर्ल्ड का ताज अपने नाम किया था। वहीं ऐश्वर्या ने 1994 में यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया था।

पश्चिम के प्रभाव से नहीं बन रहीं मसाला फैमिली एंटरटेनर फिल्में:वरुण धवन

बीते कुछ सालों से बॉलीवुड में बायोपिक और पीरियड ड्रामा फिल्मों का बोलबाला है। इसके अलावा महिला प्रधान फिल्में और सच्ची घटनाओं पर आधारित थ्रिलर फिल्मों का भी ट्रेंड है। ऐसे में बॉलीवुड की पुरानी मसाला फिल्में धीमे-धीमे गायब हो रही हैं। मसाला फिल्मों से करियर की शुरुआत करने वाले वरुण धवन ने अब इसकी वजह के बारे में बात की है। वरुण इन दिनों जुग जुग जियो के लिए चर्चा में हैं। वरुण धवन का कहना है कि पश्चिम के प्रभाव की वजह से बॉलीवुड में बड़े स्तर की फैमिली एंटरटेनर बनना बंद हो गई हैं। किसी को नहीं पता कि किस तरह की फिल्म चलेंगी। वरुण के अनुसार बड़े-बड़े प्रोड्यूसर से लेकर ट्रेड एक्सपर्ट तक, किसी को नहीं पता कि दर्शकों को अब क्या चाहिए। फिर भी हर शुक्रवार को हम बात करते हैं कि ये का कर सकता है, वो काम कर सकता है। वरुण ने कहा, खासकर कोरोना महामारी के बाद कोई नहीं जानता कि अब किस तरह कि फिल्में चलेंगी। वहीं, अपनी व्यक्तिगत पसंद के बारे में बात करते हुए वरुण ने कहा कि उन्हें फैमिली एंटरटेनर पसंद हैं। बता दें कि वरुण ने स्टूडेंट ऑफ द ईयर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह हंप्टी शर्मा की दुल्हनिया, मैं तेरा हीरो और जुड़वा जैसी दमदार एंटरटेनर फिल्मों में दिखाई दिए थे। उन्होंने बदलापुर और अक्टूबर जैसी फिल्में भी चुनीं। लो बजट फिल्में चुनने को लेकर वरुण ने कहा कि ऐसी फिल्मों ने उन्हें अभिनेता के रूप में निखारा है। उन्होंने कहा, ये भूमिकाएं चुनौतीपूर्ण होती हैं और कुछ नया करने का मौका देती हैं। ऐसी फिल्मों में हम ज्यादा प्रयोग कर सकते हैं। बजट कम होने की वजह से ऐसी फिल्मों में रिस्क कम होता है। वहीं बड़े बजट की फिल्मों में प्रयोग करने का स्पेस नहीं होता क्योंकि यहां हम रिस्क नहीं ले सकते।

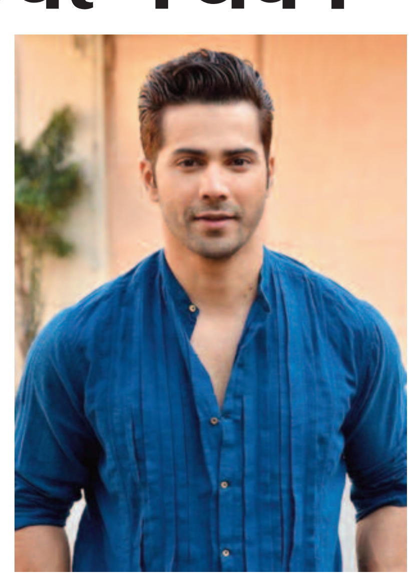

35 की उम्र में नहीं रुक रही हैं हुमा कुरैशी की अदाएं,रिवीलिंग गाउन पहन चढ़ाया इंटरनेट का पारा

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी अपनी फिल्मों के अलावा लुक्स को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं. कुछ समय से इंटरनेट पर उनका काफी बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है. अब फिर से हुमा ने अपना लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया है. जिसमें वह रेड कलर का थाई-हाई स्लिट गाउन पहने नजर आ रही हैं. इस लुक में हुमा कीफा हमेशा की तरह बोल्ड और हॉट लग रही हैं. अब हुमा के फैंस उनके इस अंदाज को खूब पसंद कर रहे हैं.हुमा कुरैशी ने अपने अब तक के करियर में साबित कर दिया है कि वह किसी भी तरह के रोल में खुद को ढालने में माहिर हैं. खास बात यह है कि दर्शकों ने उन्हें हर रूप में पसंद भी किया है. ऐसे में उन्हें लगातार कई नए प्रोजेक्ट्स मिल रहे हैं. हुमा की एक्टिंग ही नहीं, बोल्डनेस ने भी लोगों का दिल जीत लिया है. आज पूरी दुनिया में उनके चाहने वाले मौजूद हैं, जो हमेशा हुमा की एक झलक का बेसब्री से इंतजार करते हैं. लेटेस्ट फोटोशूट में हुमा कुरैशी रेड डीपनेक और रिवीलिंग गाउन में नजर आ रही हैं. लुक को कंप्लीट करने के लिए एक्ट्रेस ने स्मोकी मेकअप किया है और कर्ली कर अपने बालों को खुला छोड़ दिया है. यहां वह एक स्टूल पर बैठी हैं और अपना कातिलाना लुक दिखा रही हैं.
इस अवतार में हुमा वह बेहद हॉट लग रही हैं. हुमा के फैंस उनके इस अंदाज को खूब पसंद कर रहे हैं. जहां उनके इस अवतार से फैंस नजर नहीं हटा पा रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ सेलेब्रिटीज ने भी उन्हें हॉट बताते हुए खूब कमेंट किए हैं.

सलमान की भाईजान नहीं बल्कि रोमियोएस3 से बॉलीवुड डेब्यू करेंगी पलक तिवारी

टीवी इंडस्ट्री की लोकप्रिय एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। बीते दिनों रिपोर्ट्स में बताया गया था कि पलक तिवारी जल्द ही सलमान खान की फिल्म कभी ईद कभी दिवाली उर्फ भाईजान से इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं। ऐसे में अब जो अपडेट सामने आया है उसके अनुसार कभी ईद कभी दिवाली से पहले पलक तिवारी के साथ एक बड़ी फिल्म लग गई है। बताया जा रहा है कि पलक तिवारी जल्द ही ठाकुर अनूप सिंह के साथ फिल्म रोमियोएस3 में दिखाई देंगी।

CMYK

संक्षिप्त समाचार

पुनिया आज पहुंचेंगे रायपुर, तीन दिवसीय प्रवास में पीसीसी सहित कई कार्यक्रम में होंगे शामिल

रायपुर, 15 जुलाई 2022। अखिल भारतीय कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रभारी पीएल पुनिया तीन दिवसीय प्रवास पर शुक्रवार शाम रायपुर पहुंचेंगे। इस दौरान वो विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

पुनिया 16 एवं 17 तारीख को पीसीसी द्वारा निर्धारित बैठक में होंगे शामिल होंगे साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं कार्यकर्ताओं से सर्किट हाउस में मुलाकात करेंगे। वे 18जुलाई को सुबह 8.55 पर रायपुर से दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू ने रानी दुर्गावति की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित की

रायपुर, 15 जुलाई 2022। एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर पहुंच गई हैं। आदिवासी कला संस्कृति और पंथी नृत्य के साथ मुर्मू का स्वागत और सम्मान किया गया। राष्ट्रपति उम्मीदवार को लेने रायपुर एयरपोर्ट पर बीजेपी के सभी नेता पहुंचे। एयरपोर्ट से निकलकर मूर्मु अवंती चौक के लिए रवाना हो गई हैं। यहां बीजेपी के सभी नेता मुर्मू के साथ रानी दुर्गावति की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया।

एनडीए के राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू पहुंची रायपुर

आदिवासी नित्य से मुर्मू कारायपुर में भव्य स्वागत

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, विष्णुदेव साय, धरमलाल कौशिक सहित बड़े नेता स्वागत के लिए एयरपोर्ट पहुंचे।

अवैध देशी महुआ शराब के साथ एक गिरफ्तार

कोमाखान, 15 जुलाई 2022। कोमाखान को पेट्रोलिंग के ग्राम बाघामुड़ा से नवागांव जाने वाले मोड़ के पास एक व्यक्ति पुलिस पेट्रोलिंग वाहन को देखकर एक सफेद प्लास्टिक जरकीन को लेकर दौड़ लगाकर भागने लगा जिसे शंका होने पर घेराबंदी कर पकड़े भागने का कारण पुछने पर अपने पास रखे हुये प्लास्टिक जरकीन में देशी महुआ शराब रखना बताया. संदेही का नाम पता पुछने पर अपना नाम हरिलाल टण्डन पिता दुर्गा टण्डन उम्र 52 वर्ष ग्राम मुड़ागांव थाना बागबाहरा जिला महासमुंद का निवासी होना बताया संदेही के कब्जे में रखे एक सफेद प्लास्टिक जरकीन की तलाशी लेने पर जरकीन के अंदर 03 लीटर देशी महुआ शराब कीमती 600/- रूपये जप्त किया गया आरोपी का कृत्य अपराध धारा 34(1) (क) आबकारी एक्ट का घटित करना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

एक ही बाइक में विधायक और कलेक्टर ने बाढ़ प्रभावित इलाके का किया दौरा

बीजापुर, 15 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में चौदह दिनों तक हुई मूसलाधार बारिश से तारलागुड़ा इलाके में चारों ओर तबाही का मंजर है। विधायक विक्रम शाह मंडावी और कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने प्रभावित इलाके का दौरा किया। विधायक विक्रम शाह मंडावी ने कलेक?टर के साथ बाइक पर बैठकर बीजापुर में भारी बारिश से प्रभावित इलाकों में पहुंचे।

रेप के दोषी को 7.50 लाख रुपये मुआवजा देगी छह सरकार

सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश ?

रायपुर, 15 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ में रेप के दोषी से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार को रेप के दोषी को जेल में रखने के मामले में 7.50 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है. साथ ही इस लापरवाही के लिए दोषी अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश भी दिया है.

दरअसल, हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी छत्तीसगढ़ में रेप के दोषी को सात साल की जगह 10 साल से ज्यादा जेल में बिताने पड़े. सुप्रीम कोर्ट ने इसे संविधान के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन माना है. राज्य सरकार को उन्हें 7.50 लाख रुपये की मुआवजा राशि देने का आदेश दिया है.

इस मामले में अंबिकापुर सेंट्रल जेल के पूर्व जेल अधीक्षक राजेंद्र गायकवाड ने इस मामले पर जानकारी दी. उन्होंने बताया कि दोषी की सजा कम करने का जो दस्तावेज अंबिकापुर सेंट्रल जेल ना जाकर जशपुर चला गया, जिस कारण अंबिकापुर के जेल अधीक्षक और कर्मियों को इसकी सूचना ही प्राप्त नहीं हो पाई, जिस कारण संबंधित कैदी भोला कुमार को अतिरिक्त सजा काटनी पड़ी.

पूर्व जेल अधीक्षक का कहना है कि इसमें अगर उन्हें दस्तावेज सजा कम करने के मिल गए होते पूर्व में बंदी को सजा नहीं काटनी पड़ती. साथ ही पूर्व जेल अधीक्षक राजेंद्र गायकवाड ने यह भी बताया कि बंदी को सरकार की ओर से मुआवजा भी दिया जाएगा, जबकि अभी के तत्कालीन जेल अधीक्षक आरआर मतलाभ को महज कुछ दिन ही जेल अधीक्षक का प्रभार संभाले दिन हुए हैं. इस विषय में ज्यादा जानकारी प्राप्त नहीं हुई है.

पूर्व जेल अधीक्षक राजेंद्र गायकवाड ने बताया कि यह 3 महीने पहले की घटना है. बंदी को 12 साल की सजा हुई थी. इसके बाद बंदी ने इसकी अपील हाईकोर्ट में कि हाईकोर्ट से उसे उसकी सजा को 7 साल कर दिया गया था, जो पहले 12 साल था और हाईकोर्ट से वह दस्तावेज जशपुर न्यायालय चला गया, जिसमें बंदी की सजा माफी की जानकारी थी.

इस पर जशपुर न्यायालय से टाइम से जानकारी अंबिकापुर जेल को नहीं मिल पाई. जब अंबिकापुर जेल अधीक्षक को इस बात की जानकारी मिली कि उक्त बंदी की सजा कम हो चुकी है, तब उनके द्वारा संबंधित को लेटर लिखा गया और बंदी को रिहा कर दिया गया.

मामला जशपुर जिले का है. जशपुर जिले के फरसाबहार थाना क्षेत्र के ग्राम तमामुंडा निवासी भोला कुमार दुष्कर्म के मामले में जेल में बंद था. ट्रॉयल में उसे निचली अदालत ने दोषी करार दिया और साल 2014 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी. इस फैसले के खिलाफ उसने हाई कोर्ट में क्रिमिनल अपील प्रस्तुत किया था.

हाई कोर्ट ने 19 जुलाई 2018 को उसे दुष्कर्म के लिए दोषी ठहराया था. इसके साथ ही उसकी आजीवन कारावास यानि 12 साल की सजा को कम कर 7 साल कर दिया था, लेकिन, हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी उसे 10 साल से अधिक समय जेल में बिताना पड़ा।

बेकाबू बाइक झाड़ियों में जा घुसा,एक की मौत,एक घायल

केशकाल, 15 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के केशकाल में बाइक से जा रहे एक चाचा और भतीजे की बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। इस हादसे में मौके पर ही चाचा की मौत हो गई। वही भतीजे को इलाज के लिए केशकाल अस्पताल लाया गया है। यह सड़क हादसा होनेड मार्ग में ग्राम सरगीपाल के पास हुआ।

नक्सलियों ने अंतागढ़ विधायक को दी धमकी

» बैनर में विधायक को आदिवासी विरोधी और पुलिस बुद्धि बताकर की बहिष्कार की मांग

कांकेर, 15 जुलाई 2022। नक्सलियों द्वारा आय दिन किसी ना किसी गतिविधि के माध्यम से आम जनता में डर फैलाने की कोशिश की जाती है। वो विभिन्न तरीके से अपनी ओर लोगो का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास करते रहते हैं । इस बार नक्सलियों ने बैनर लगाकर अंतागढ़ विधायक अनूप नाग को धमकी दी है। नक्सलियों ने बैनर में अंतागढ़ विधायक को आदिवासी विरोधी बताया है और खदान मालिकों का एजेंट बताकर उनका बहिष्कार करने को कहा है। पखांजूर से 4 किलोमीटर दूर क्क्ष 33 के पास नक्सलियों ने विधायक अनूप नाग के विरोध में यह बैनर लगाए हैं। नक्सलियों ने बैनर में विधायक पर खदान मालिकों के एजेंट होने का गंभीर आरोप लगाया है। लगाए गए बैनर में कहा गया है कि अनूप

बैनर लगाकर बताया खदान मालिकों का एजेंट

नाग खदान मालिकों के एजेंट के तौर पर काम कर रहे हैं। इसलिए उनका बहिष्कार किया जाए। इसके साथ ही नक्सलियों ने बैनर में अनूप नाग को पुलिस बुद्धि बताते हुए उनका विरोध करने की बात की है।

बहरहाल नक्सलियों द्वारा विधायक नाग को मिली सीधी धमकी को अंतागढ़ एसडीओपी अमर सिदार ने गंभीरता से लेते हुए विधायक के दफ्तर और घर पर जेड प्लस सुरक्षा तैनात कर दी है। सिदार ने बताया कि विधायक के दफ्तर और घर पर जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा तैनात की गई है। श्री नाग की सुरक्षा में 22 जवान तैनात हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्र का विधायक होने के कारण उन्हें पहले ही जेड प्लस सुरक्षा दी गई है।

छत्तीसगढ़ के 5 लाख कर्मचारी हड़ताल में जाने की तैयारी में 9 दिनों तक प्रभावित होगा काम

रायपुर, 15 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन एक लंबे आंदोलन की तैयारी कर रहा है. इस आंदोलन से 9 दिन तक सरकारी कामकाज प्रभावित होगा.

प्रदेश भर के 5 लाख कर्मचारी 25 से 29 जुलाई तक अवकाश लेकर ये आंदोलन करेंगे. केंद्रीय कर्मचारियों के समान 34 प्रतिशत मंहगाई भत्ता और सातवें वेतनमान के अनुरूप गृह भाड़ा भत्ता सहित अन्य प्रमुख मांगों के लिए 5 दिन तक आंदोलन करेंगे. 23,24 जुलाई और 30,31 जुलाई को शनिवार रविवार पड़ने से पूरे 9 दिन काम प्रभावित रहेगा.

25 से 28 जुलाई तक हर जिला, तहसील, विकासखंड में सशक्त आंदोलन किए जाने की तैयारी है. 29 जुलाई को सभी कर्मचारियों मिलकर राजधानी में आंदोलन करेंगे, फेडरेशन के प्रवक्ता विजय झा ने कहा कि ये लज्जाजनक स्थिति है कि केंद्रीय कर्मचारियों को 34त्न महंगाई भत्ता ले रहे है, वहीं छत्तीसगढ़ के विद्युत कर्मचारी भी 34त्न महंगाई भत्ता ले रहे है, लेकिन प्रदेश का कर्मचारी दोयमदर्जा का नागरिक हो गया है. महंगाई भत्ता, क्षतिपूर्ति भत्ता, गृहभाड़ा भत्ता समेत तमाम मांगों को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को ज्ञापन भी सौंपेंगे. इस आंदोलन में कर्मचारी हितों को ध्यान में रखते हुए सर्व शिक्षक संघ शामिल रहेगा. इसके साथ ही

अनियमित आंगनबाड़ी, सफाई कर्मचारी भी शामिल होंगे.

कर्मचारी संघ के पदाधिकारी ने कहा कि इससे पहले भी अपनी तमाम मांगों को लेकर लड़ाई लड़ चुका है, लेकिन कुछ नहीं हुआ, इस बार भी कैबिनेट में कोई निर्णय नहीं लिया गया, इससे कर्मचारियों में आक्रोश है. वे अवकाश लेकर एक बड़ा आंदोलन करने जा रहे है. जानकारी के मुताबिक वर्तमान में राज्य में कई तरह के मंहगाई भत्ता लागू है, वहीं राज्य कर्मचारियों को केवल 22 प्रतिशत मंहगाई भत्ता दिया जाता है जो कि केंद्रीय कर्मचारियों से 12 प्रतिशत कम है. झा ने इसे करो या मरो का आंदोलन कहा और इसके बाद कभी कोई आंदोलन न करने की बात भी कही. इस आंदोलन से विधानसभा का कार्य भी प्रभावित रह सकता है।

छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष वीरेंद्र दुबे ने कर्मचारियों की उपेक्षा की कड़ी निंदा की है. उन्होंने कहा कि जो कर्मचारी लगातार धैर्यपूर्वक अपनी मांग कर रहे उन्हें शासन द्वारा नजरअंदाज किया जा रहा है, जबकि मंत्री और विधायकों का वेतन 3 साल में दो बार बढ़ गया. यह पूरी तरह से पक्षपात है. अब समय आ गया है प्रदेश के कर्मचारी एकजुट हो और एक बड़ा आंदोलन करें।

बढ़ती मंहगाई से परिवार चलाना मुश्किल

छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ के प्रांतीय महासचिव धर्मेश शर्मा और प्रदेश मीडिया प्रभारी जितेंद्र शर्मा ने कहा कि- केंद्र के बराबर महंगाई भत्ता नही मिलने से कर्मचारियों को इस बढ़ती महंगाई में अपना लालन पालन करना मुश्किल हो रहा है. ऐसे में शासन द्वारा का न बढ़ाया जाना स्पष्ट रूप से उपेक्षित किया जाना है, जबकि मंत्रियों व विधायकों का वेतन 3 साल में 2 बार बढ़ा है. केंद्र के बराबर मंहगाई भत्ता मिले, यह प्रत्येक कर्मचारी का अधिकार है.

शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए समन्वय बनाकर कार्य करें : रेणुका सिंह

» जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक संपन्न

सूरजपुर, 15 जुलाई 2022। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक जिला पंचायत सभा कक्ष में जनजातीय कार्य मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सरगुजा सांसद श्रीमती रेणुका सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह ने केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर इफ्फत आरा ने केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी तथा सभी योजनाओं का विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्य पेंशन, राशन, मजदूरी भुगतान राजस्व मामले, दिव्यांग प्रमाण पत्र, आरबीसी के प्रकरणों का तीव्रता से निराकरण किया जा रहा है की जानकारी दी। सांसद श्रीमती रेणुका सिंह ने जिले के सभी विभाग के अधिकारियों को बेहतर समन्वय कर शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन करने निर्देशित किया। उन्होंने मनरेगा अंतर्गत संचालित कार्यों की जानकारी ली तथा मनरेगा के मजदूरी भुगतान समय अवधि में करने निर्देश दिया। जिले में खाद की समस्याओं को लेकर चिंता प्रकट करते हुए डीएपी खाद सहित अन्य खाद की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बिजली समस्या एवं ट्रांसफार्मर खराब का समय अवधि में परिवर्तित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की जानकारी ली तथा संबंधित विभाग को गुणवत्तापूर्ण कार्य कर पूर्ण करने निर्देशित किया। उन्होंने पालतू पशु एवं आवारा पशु के बेहतर व्यवस्था के लिए चारागाह की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए तथा चरवाहा में रखने के लिए भी कहा एवं आवारा पशुओं की पहचान के लिए टैग लगाने की व्यवस्था पर जोर दिया गया।

द्रोपदी मुर्मू के समर्थन में आए बसपा और जेसीसीजे के विधायक

रायपुर, 15 जुलाई 2022। राष्ट्रपति पद के लिए एनडीए की उम्मीदवार द्रोपदी मुर्मू को छत्तीसगढ़ में भाजपा के साथ बहुजन समाज पार्टी और जेसीसीजे का भी समर्थन मिला है. दोनों की पार्टियों के विधायकों ने द्रोपदी मुर्मू के आगमन पर निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए समर्थन व्यक्त किया है.

होटल बेबीलोन में आयोजित द्रोपदी मुर्मू के स्वागत कार्यक्रम में बहुजन समाज पार्टी के विधायक केशव चंद्रा और इंदु बंजारे के अलावा जेसीसीजे के अध्यक्ष अमित जोगी और विधायक डॉ. रेणु जोगी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई. कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय सहित भाजपा नेताओं का जमावड़ा लगा हुआ है।

शिक्षा विभाग को तमाचा मारने वाला बधाई-पत्र

रायपुर, 15 जुलाई 2022। शिक्षा विभाग को तमाचा मारने वाला बधाई पत्र, एक गरीब बेटी के पिता ने शिक्षा विभाग को लिखा है. ये पत्र सिस्टम को तमाचा मारने के साथ-साथ प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की पोल भी खोल रहा है.

राजनांदगांव के एक बेटी के पिता संजू साहू ने आरटीई के तहत अपनी बेटी का एडमिशन 2020 में लायंस पब्लिक स्कूल में करवाया. ये एडमिशन ऑन लाइन लॉटरी के माध्यम से हुई, लेकिन स्कूल अगले सत्र में बंद हो गई. इसके बाद पिता शिक्षा विभाग के छोटे से लेकर बड़े अधिकारियों के चक्कर लगाता रहा.

उन्होंने अधिकारियों के हाथ-पैर जोड़े और सरकारी स्कूल तक में एडमिशन कराने का निवेदन किया, लेकिन कहीं उसकी सुनवाई नहीं हुई, जिसके बाद अब पिता ने एक प्राईवेट स्कूल में अपनी बेटी के अच्छे भविष्य के लिए एडमिशन करवाया है.

बच्ची के पिता ने बताया कि अब प्राइवेट स्कूल में बेटी का एडमिशन क्लास 1 में कराया गया है, लेकिन इसके लिए उन्होंने घर के गहनों को करीब 25 हजार रुपए में बेच दिया. इतना ही नहीं गहने को गिरवी भी रखा है. स्कूल की फीस 22 हजार रुपए प्रति वर्ष बताई जा रही है.

यही कारण है कि प्रशासन के किसी भी प्रकार की मदद न करने, नियम कानून, आदेश सब धरे रह गए, जिसके कारण उनकी बेटी स्कूल न जा सकी. इसके लिए उन्होंने ये बधाई पत्र लिखा है, कि अब वे अपना सोना गिरवी रखकर अपनी बेटी का एडमिशन करा चुके हैं. इसके लिए शिक्षा विभाग को बधाई।

टिकट चेकिंग के लिए टीटीई को मिले हैंड हेल्ड टर्मिनल डिवाईस

रायपुर , 15 जुलाई 2022। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में टीटीई ट्रेनों में हैंड हेल्ड टर्मिनल डिवाईस (एचएचटी) से टिकटों की जांच करते दिखाई देंगे। इसके लिए रायपुर मंडल मंडल को 96 एचएचटी मशीन मिली हैं। रायपुर मंडल में दुर्ग बेसड टिकट चेकिंग स्टाफ को 96 हैंड हेल्ड टर्मिनल डिवाइस (एचएचटी) 4% सिम के साथ दी जा रही है जिससे टीटीई ट्रेनों में खाली बर्थ की सूचना देंगे और तत्काल आरएसी-वेटिंग सूची के यात्रियों का टिकट कंफर्म हो जाएगा। इससे यात्रियों को आरक्षित सीटों का लाभ मिलेगा।

इसी कड़ी में शुक्रवार को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ विपिन वैष्णव ने 4 हैंड हेल्ड टर्मिनल डिवाइस रायपुर रेल मंडल के टीटीई को सौंपी इस अवसर पर सहायक वाणिज्य प्रबंधक दुलार साय चौहान रायपुर रेल मंडल के टीटीई उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ के दृष्टिबाधित छात्र ने सबल अवार्डस् में जीता तीसरा पुरस्कार

रायपुर, 15 जुलाई 2022। जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने की ललक इन्सान में नई उर्जा और उत्साह का संचार करती है। व्यक्ति की प्रतिभा और लगन उसे अपने सपने को पूरा करने के लिए प्रेरित करती है। मेरा भी सपना किसी बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा की बदौलत अपने परिवार का नाम करना है। यह कहना है सुकमा जिले के आकार संस्था में 10वीं कक्षा में अध्ययनरत दिव्यांग छात्र रघुनाथ नाग का।

इन्होंने हाल ही में झारखण्ड राज्य के जमशेदपुर में टाटा स्टील फाऊंडेशन द्वारा दिव्यांग बच्चों की विशिष्ट कला प्रतिभा को प्रोत्साहित करने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सबल अवार्डस् में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व किया। रघुनाथ ने 17 राज्यों के प्रतिभागियों के बीच अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और तीसरा पुरस्कार अपने नाम किया।

रघुनाथ पूर्णतः दृष्टिबाधित हैं मगर उनके हौसले और जीवन जीने का अंदाज प्रेरणादायक है। उनमें गजब की गायन प्रतिभा है, हार्मोनियम वादन के साथ ही रघुनाथ ने %%ऐसी लागी लगन...%% गाकर सुरों का ऐसा समा बांधा कि सब मंत्रमुग्ध रह गये। महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया और सुकमा कलेक्टर हरिस. एस ने रघुनाथ को इस विशिष्ट उपलब्धि के लिए बधाई और आगामी सफलताओं के लिए शुभकामनाएं दी।

रघुनाथ को सबल फाऊंडेशन द्वारा प्रशस्ति पत्र और 10 हजार का चेक पुरस्कार प्रदान किया गया है।

सुकमा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम सोनाकुकानार के निवासी रघुनाथ नाग, पांच भाई बहनों में चौथे हैं। जन्म से ही दृष्टिबाधित रघुनाथ ने दुनिया अपने मन की आखों से देखी और इनमें रंग भरे हैं। करीब 12 वर्ष की उम्र में रघुनाथ के पिता श्री सोनु राम नाग ने उसका दाखिला जिले के आकार संस्था में करवाया, जहां दिव्यांग बच्चों को विशेष देखरेख के साथ ही शिक्षा प्रदान की जाती है। आकार संस्था में आकर रघुनाथ को दुनिया और रंगीन दिखने लगी, यहां उस जैसे ही बहुत से दिव्यांग बच्चे थे, जो अपनी दुनिया गढ़ने में मस्त रहते। कक्षा छठवीं में रघुनाथ को संगीत के सुरों ने अपनी ओर आकर्षित किया और वह उसमें बंधता चला गया। वर्तमान में रघुनाथ कक्षा दसवीं में पढ़ रहा है और एक पारंगत गायक के साथ ही उम्दा हार्मोनियम वादक भी है। वह अभी ढोलक और तबला वादन भी सीख रहा है। उसने बताया कि सुरों के संगम में जीवन आसान लगता है, मुझे कभी इस बात का अहसास नहीं होता कि मैं देख नहीं सकता। बल्कि उसे इस बात की खुशी है कि वह इस कोरे संसार को अपने पंसद के सुरों में पिरोता है। रघुनाथ संगीत के क्षेत्र में ही अपना भविष्य बनाना चाहता है, और अपने परिवार के साथ ही सुकमा जिले और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करना चाहता है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)